www.dainikjayantnews.com
देहरादून (गैरसैंण),
गुरूवार : 21 मई 2026
वर्ष: 17
अंक: 29 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

विजय के सीएम बनते ही 'सिंघम' बनी चेन्नई पुलिस

● एक रात में ही चलाया हंटर,100 गुंडों को किया अंदर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में टीवीके चीफ थलापति विजय के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद चेन्नई में अपराधियों पर बड़ा ऐक्शन सामने आया है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने एक विशेष अभियान में करीब 100 अपराधियों को अरेस्ट किया है। ये सभी राउडी (क्रिमिनल्स) हैं। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने अपने ऑपरेशन के बारे में एक्स जानकारी भी साझा की है। गौरतलब हो कि सीएम जोसेफ विजय ने

चुनावों के दौरान अपराधिक गतिविधियों को अंकुश लगाने का वादा किया था। चेन्नई पुलिस के इस बड़े अभियान को उसी से जोड़कर देखा जा रहा है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस के कमिश्नर अभी अभिन दिनेश मोदक हैं। उन्होंने चुनाव आयोग के निर्देश पर अप्रैल 2026 में कार्यभार संभाला था। वह 1997 बैच के आईपीएस हैं।

ऑपरेशन क्लीन का पहला ट्रेलर

चेन्नई पुलिस की राजधानी में बड़ी कार्रवाई के बाद यह चर्चा शुरू हो गई है कि विजय की अगुवाई वाली सरकार ऑपरेशन क्लीन के ऐक्शन को और तेज कर सकती है। चेन्नई सिटी पुलिस को ग्रेटर चेन्नई पुलिस के तौर पर जाना जाता है। पुलिस के आधीन चेन्नई मेट्रोपॉलिटिन एरिया आता है। चेन्नई शहर के अलावा जैसे चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर के कुछ हिस्से) आते हैं, जो ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की सीमा के अंतर्गत शामिल हैं।

देशभर में 15 लाख से अधिक दवा दुकानें बंद

● ऑनलाइन बिक्री का विरोध कर रहे,एमपी, चंडीगढ़ में परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया था। बंद का मामूली असर

दिख रहा है। पटना के एम्स के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के अस्पताल में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा,दवाएं नहीं मिल रही हैं। हालांकि संगठन ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

दवा दुकानदारों की 4 मांगें

बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए।

इंटरनेट पर धूम मचा रही मोदी-मेलोनी की तस्वीर

● ग्लोबल डिप्लोमेसी की नई दूत बनी 'इंडियन टॉफी'

रोम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली के दौरे पर हैं। पीएम मोदी के रोम पहुंचने पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि रोम में आपका स्वागत है, मेरे दोस्त! वहीं पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का पैकेट भेंट किया। इस गिफ्ट के लिए मेलोनी ने उन्हें धन्यवाद भी दिया। इतालवी पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 12 सेकंड की वीडियो क्लिप

साझा की जिसमें वो भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ दिख रही हैं। इस क्लिप में वो कह रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी हमारे लिए बहुत अच्छा गिफ्ट लेकर आए हैं। ये टॉफियां हैं जो बहुत स्वादिष्ट हैं। इसके बाद उनकी दाईं तरफ खड़े पीएम मोदी टॉफी का पैकेट उठाते हैं जिस पर लिखा है 'मेलोडी'। 'गिफ्ट' को कैमरे की तरफ दिखाने के बाद दोनों खिल खिलाकर हंस देते हैं। देश की यह टॉफी ग्लोबल हो गई है।

वैश्विक कूटनीति की नई दूत बनी 'मेलोडी' टॉफी

विपक्षी दलों ने भी मोदी–मेलोनी की मेलोडी डिप्लोमेसी पर टिप्पणियां भी कीं। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कभी जो 'मेलोडी टॉफी' महज बच्चों की जेब, किराने की दुकानों और छुट्टे पैसे की संस्कृति का हिस्सा हुआ करती थी, वह अब वैश्विक कूटनीति की नई दूत बन चुकी है। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा इटली की प्रधानमन्त्री को दिया गया एक साधारण–सा टॉफी पैकेट देखते ही देखते मेलोडी से मेलोनी में रूपांतरित हो गया। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के गंभीर अध्येताओं के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण हो गया है, जहां कैरेमल ने कूटनीति को पीछे छोड़ दिया और रैपर ने राजनयिक दस्तावेज़ों की जगह ले ली। प्रधानमंत्री की हर ओर तारीफ हो रही है।

नौतपा से पहले 'आग का गोला' बने शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के राज्यों में भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे अगले पांच से छह दिनों तक कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान सामान्य से कई डिग्री ऊपर बना रहेगा। उत्तर प्रदेश का बांदा जिला सबसे अधिक प्रभावित है। मंगलवार को लगातार तीसरे दिन ंदा एशिया ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री दर्ज किया गया है। यह इतिहास में तीसरी बार है, जब बांदा में पारा 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिम से लेकर पूरब तक अगले पांच-छह दिनों तक तपिश से राहत के आसार नहीं हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश के 60 से अधिक जिलों में लू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दरअसल, पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने से उत्तर भारत में शुष्क और गर्म हवा का प्रभाव काफी बढ़ गया है।

बंगाल में सियासी हलचल, फिर होगा 'खेला'

● ममता ने जिसे चीफ व्हिप पद से हटाया,बीजेपी ने उस पर लुटाया प्यार ● टीएमसी सांसद काकोली घोष को केंद्र सरकार ने दी वाय कैटेगरी की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष दस्तीदार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की वाय श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। अधिकारियों के मुताबिक यह सुरक्षा 19 मई से तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। इस फैसले को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब तृणमूल कांग्रेस के भीतर संसदीय स्तर पर बड़े संगठनात्मक बदलाव किए गए हैं। इसी बीच ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस सांसदों की बैठक में वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का नया चीफ व्हिप नियुक्त किया है। उन्होंने इस पद पर काकोली घोष दस्तीदार की जगह ली है। तृणमूल कांग्रेस संसद में अपनी रणनीति और समन्वय को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी के भीतर हुए इस बदलाव को उसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कल्याण बनर्जी की वापसी को पार्टी नेतृत्व के भरोसे के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। वह पहले भी लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हिप रह चुके हैं। हालांकि बाद में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था, लेकिन अब एक बार फिर पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

● **15 विधायक बैठक से नदारद रहे–** बैठक में अभिषेक बनर्जी की चुनावी घोषणाओं और उनकी हालिया रहस्यमयी चुप्पी पर भी सवाल उठे। वहीं दूसरी ओर, 15 विधायकों का बैठक से नदारद रहना पार्टी के लिए सबसे बड़ा खतरे की घंटी है।

टीएमसी में दिखने लगी बगावत की झलक

पश्चिम बंगाल में सत्ता छिनते ही टीएमसी में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास कालीघाट में हुई विधायक दल की बैठक महज एक समीक्षा बैठक नहीं रही, बल्कि इसने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ पनप रहे गहरे असंतोष को उजागर कर दिया है।

कालीघाट में हुई बैठक में सबसे बड़ी चर्चा 15 विधायकों की भी बहाने बनाकर अनुपस्थिति रही। साथ ही तीन कद्दावर नेताओं व विधायकों ने टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए, जिसने आग में घी का काम किया। इससे पहले भी एक बैठक में कई विधायक कालीघाट आवास पर नहीं पहुंचे थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी ने पहले ही सख्त हिदायत दी थी कि किसी भी शिकायत को केवल लिखित रूप में दिया जाए। इसके बावजूद बेलघाटा के विधायक शिकायत करते रहे।

संघ के लोगों से कहें पीएम-एचएम गद्दार

● राहुल गांधी का पीएम और गृहमंत्री पर बड़ा हमला
● कहा-देश में बिजनेस बंद हो रहे, पीएम टॉफी बांट रहे

रायबरेली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को कहा कि जब आरएसएस के कार्यकर्ता आपके सामने आएंगे तो उनसे खुलकर कहिएगा कि आपका प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और संगठन गद्दार है। आपने हिंदुस्तान को बेचने का काम किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा, अब आर्थिक तूफान आ रहा है। मोदी आपको बचा नहीं पाएंगे। याद रखना, जैसे कोविड और नोटबंदी के समय रोए थे, कहा था- मुझे फांसी पर लटका देना। वैसे ही टीवी पर फिर आएंगे। हाथ जोड़ेंगे। रोएंगे। कहेंगे- मेरी गलती नहीं है। इसके बाद राहुल अमेठी पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा- इटली की पीएम मेलोनी को नरेंद्र मोदी टॉफी खिला रहे हैं। रील बनाई जा रही हैं। ये बीजेपी वाले मेरा मजाक उड़ाते हैं। जो आर्थिक दीवार उन्हें खड़ी करनी थी। उन्होंने नहीं की।

पुतिन का भव्य स्वागत, ट्रंप पर साधा निशाना

● चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ईरान युद्ध पर दिया बड़ा बयान

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को बीजिंग में व्लादिमीर पुतिन के साथ एक बैठक के दौरान रूस के साथ संबंधों की सराहना करते हुए उन्हें अराजकता के बीच शांति की एक शक्ति बताया। ये बयान काफी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यूक्रेन के खिलाफ रूस की लड़ाई अभी भी चल रही है। यह बैठक शी जिनपिंग की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में आयोजित एक ऐतिहासिक यूएस-चीन शिखर सम्मेलन के कुछ ही दिनों बाद हुई है। शी जिनपिंग ने बिगड़ती जा रही अंतरराष्ट्रीय स्थिति की ओर इशारा किया और अमेरिका पर परोक्ष रूप से तंज कसा। शी जिनपिंग और पुतिन के बीच ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में द्विपक्षीय बैठक हुई है। शी जिनपिंग ने कहा अंतरराष्ट्रीय स्थिति उथल-पुथल और बदलाव

के आपस में गुंथे हुए दौर से गुजर रही है जबकि एकतरफा वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बेरोकटोक बढ़ रही हैं। उन्होंने अमेरिकी विदेश नीति की आलोचना की।

पुतिन के सामने चीन का इशारों में अमेरिका पर निशाना

चीनी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ अमेरिका–इजरायल युद्ध पर सीधे तौर पर बात करते हुए कहा कि इसका जल्द अंत ऊर्जा आपूर्ति, सप्लाई चेन और व्यापार में होने वाली बाधाओं को कम करने में मदद करेगा। शी जिनपिंग ने आगे कहा युद्ध को पूरी तरह से रोकना जरूरी है इसमें कोई देरी नहीं होनी चाहिए। फिर से लड़ाई शुरू करना तो और भी ज्यादा अवांछनीय है और बातचीत जारी रखना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आपको बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पिछले 25 वर्षों से देश के राष्ट्रपति हैं और अपने इतने लंबे कार्यकाल में वो 25वीं बार चीन की यात्रा पर हैं। पिछले कुछ सालों में शी जिनपिंग और पुतिन ने व्यापार, कूटनीति और सुरक्षा के मामलों में अपने देशों के बीच तालमेल को काफी मजबूत किया है।

यूपी भाजपा में बड़े चेहरों की होगी एंट्री

● जाति समीकरण से परे भी सोच रही है पार्टी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार का कैबिनेट विस्तार बीते सप्ताह हुआ है। विधानसभा चुनाव में एक साल का वक्त बचा है और अब उससे पहले पार्टी संगठन के पेच भी कस लेना चाहती है। ऐसा इसलिए ताकि चुनाव के दौरान मशीनरी कमजोर न रहे। 2014 से अब तक भाजपा ने यूपी में सभी चुनाव इलेक्शन मशीनरी यानी संगठन के दम पर ही जीते हैं। ऐसे में सरकार को मजबूत करने और सामाजिक समीकरण फिट

करने के बाद भाजपा की नजर अब संगठन की ओर है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि इसी महीने के अंत तक यूपी भाजपा में पदाधिकारी चुन लिए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी फिलहाल इसी को लेकर मंथन में जुटे हैं। इस बीच बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने दिल्ली जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की है। इसके बाद चर्चा तेज हो गई है कि आखिर किन लोगों को संगठन में चांस मिलेगा। अब तक की जानकारी के मुताबिक भाजपा संगठन में ऐसे लोगों को मौका देना चाहती है, जिनका लंबा अनुभव है। ऐसे लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो आरएसएस के बैकग्राउंड के हैं और उन्हें संगठन का अनुभव है।

60 पदाधिकारी ऐसे होंगे, जो संगठन की समझ रखते हों

भाजपा के एक सीनियर लीडर ने कहा कि कम से कम 60 पदाधिकारी ऐसे होंगे, जो संगठन की समझ रखते हों। इन नियुक्तियों में जातीय संतुलन से ज्यादा संगठन की समझ को महत्व दिया जाएगा। इसके अलावा क्षेत्रीय संतुलन को साधा जा सकता है। दरअसल कैबिनेट विस्तार में भाजपा ने जातीय संतुलन का ध्यान रखा था। ज्यादातर ओबीसी और दलित वर्ग के नेताओं को ही तवज्जो मिली थी, लेकिन संगठन में ऐसा नहीं होगा। जातीय समीकरणों को परे रखते हुए भाजपा ऐसे लोगों को महत्व देगी, जो लंबे समय से संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं।

6 क्षेत्रीय यूनिट के अध्यक्ष भी होंगे कद्दावर नेता

भाजपा के संगठन में राज्य स्तरीय इकाई के लिए 6 क्षेत्रीय यूनिट भी हैं। इनका गठन काशी, गोरखपुर, पश्चिम यूपी, अवध, ब्रज और कानपुर–बुंदेलखंड के नाम से किया गया है। आरएसएस भी यूपी के अंदर 6 प्रांत मानता है और उसी के अनुसार काम करता है। सूत्रों का कहना है कि इन 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष के तौर पर भी भाजपा कद्दावर नेताओं को कमान दे सकती है। बता दें कि भाजपा ने यदि यूपी में जातीय समीकरण के नाम पर सफलता पाई है तो वहीं उसकी इलेक्शन मशीनरी भी अहमियत रखती है। यही वजह है कि 2027 के चुनावी रण से पहले भाजपा चाहती है कि सारे पेच कस लिए जाएं ताकि कोई ढिलाई न रहे।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

● ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है।

विपक्ष बोला-

युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास हो– यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए। डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं।

संपादकीय

स्तरहीन दिशा में भारतीय मीडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की यात्रा भारत के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण दौरा साबित हो सकता है लेकिन नॉर्वे में पत्रकार द्वारा सवाल पूछे जाने के मुद्दे ने भारतीय मीडिया के काम करने के तरीके पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थिति यह है कि जहां नॉर्वे को पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर रखा जाता है तो वही विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र देश भारत में यह स्थान 157 नंबर पर आता है। यह एक वाकई चिंता का विषय है। लेकिन यह स्थिति शायद पिछले कुछ वर्षों में बनी है जब भारतीय मीडिया ने अपने मूल उद्देश्य से भटक कर व्यवसायिकता और चापलूसी का रास्ता पकड़ कर पत्रकारिता को एक नया रूप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनके प्रधानमंत्री बनने के साथ ही यह आरोप लगने लगे थे कि वे कभी भी मीडिया से सीधा संवाद नहीं करते हैं और ना ही अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कोई खुली पत्रकार वार्ता को संबोधित किया हो। नॉर्वे की पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल का भी उनके द्वारा जवाब नहीं दिया गया हालांकि कहा जा रहा है कि उस प्रेस मीट में दोनों देश के प्रतिनिधियों को अपने बयान मीडिया के आगे रखते थे और पत्रकार वार्ता प्रस्तावित नहीं थी। उसके बावजूद भी मानव अधिकार एवं पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर पूछे गए सवाल ने एक बवंडर पैदा कर दिया है। भारतीय मीडिया अब नॉर्वे की उस पत्रकार को पूरी तरह से गलत साबित करने पर तुला है और उनके सोशल मीडिया अकाउंट से लेकर उनकी निजी जिंदगी को नेगेटिव बनाकर पेश किया जा रहा है। भारतीय लोकतंत्र में पत्रकारिता को चौथा स्तंभ माना गया है लेकिन आज पत्रकारिता का रूप अपनी विश्वसनीयता खो चुका है। अपुष्ट एवं गलत जानकारी से भरकर खबरें पेश की जा रही है जिसमें सिर्फ एक पक्ष का ही गुणगान किया जा रहा है। देश की जनता से कभी यह स्वप्न दिखाया गया था कि हम ऐसा सशक्त और आत्मनिर्भर भारत निर्मित करेंगे, जहाँ विश्व की महाशक्तियाँ भी भारत के साथ संबंध बनाने हेतु उत्सुक दिखाई देंगी, यहाँ तक कि अमेरिका भी भारत का वीज़ा प्राप्त करने के लिए प्रतीक्षा में खड़ा रहेगा। किन्तु आज परिस्थितियाँ ऐसी निर्मित होती दिखाई दे रही हैं कि अनेक विषयों में भारत की आर्थिक, सामरिक और तकनीकी निर्भरता इस स्तर तक बढ़ चुकी है कि हम किसी अन्य देश से कोई वस्तु मूल्य देकर भी स्वतंत्र रूप से प्राप्त नहीं कर सकते, जब तक कि अमेरिका अथवा वैश्विक शक्तिसंतुलन की स्वीकृति या अप्रत्यक्ष अनुमति उसमें बाधक न हो। यह स्थिति केवल आर्थिक प्रश्न नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र विदेश नीति की वास्तविक स्थिति पर भी गंभीर चिंतन का विषय है। शायद इसी बात को लेकर नॉर्वे की पत्रकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगे अपनी बात रखी जिसका जवाब जानने के लिए वह उनके पीछे तक गई लेकिन जवाब नहीं मिला। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति पहली बार देखने को मिली है बल्कि इससे पहले भी कई भारतीय प्रधानमंत्री प्रेस वार्ता करते आए हैं जिनमें उनके जवाब मात्र औपचारिकताओं के सिमट कर रही है लेकिन उन लोगों द्वारा मीडिया के आगे आकर खुला प्रश्नों का सामना करने की हिम्मत तो दिखाई गई। भारतीय पत्रकारिता को आज भी कुछ निर्भीक और खुली सोच रखने वाले पत्रकार जिंदा रखे हुए हैं लेकिन ऐसे पत्रकारों की पहुंच और दायरा बेहद सीमित है जबकि इसके विपरीत बड़े चैनल पत्रकारिता के मूल उद्देश्यों को ताक पर रखकर एक तरफा पत्रकारिता की मुहिम पर निकले हुए हैं। भारतीय पत्रकारिता के लिए यह एक बुरा दौर है, जिसमें खबरों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में काली के पुजारियों का भत्ता बंद

सनत जैन

सनातनी अब मांसाहारी और शाकाहारी में बंटे...

पश्चिम बंगाल की सरकार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम बंगाल के इमाम और पुजारियों को जो भत्ता ममता सरकार द्वारा दिया जा रहा था, 1 जून 2026 से दोनों के भत्ते बंद करने का निर्णय किया है। इस निर्णय की पश्चिम बंगाल में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। टीएमसी के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी साल मार्च माह से धार्मिक नेताओं के भत्ते में 500 रुपए प्रतिमाह की वृद्धि की थी। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के इमाम को हर महीने 3000 रुपए तथा पुजारियों को 2000 रुपए की मदद दी जा रही थी। भाजपा की सरकार ने अब यह मानदेय बंद करने का निर्णय लिया है। इसका असर संपूर्ण पश्चिम बंगाल में हिन्दू-मुस्लिम के बीच होना तय है। पश्चिम बंगाल में काली की पूजा होती है। पश्चिम बंगाल में पूजा में बली और खाने-पीने में मांसाहार का बड़ा उपयोग होता है। बंगाल में हजारों की संख्या में पुजारियों को यह मानदेय मिल रहा था। पुजारियों को आशा थी, नई सरकार इमाम और मुअज्जीन का भत्ता बंद करेगी। हिंदू पुजारियों को 3000 रुपए महीने का मानदेय देने का निर्णय करेगी। सरकार ने दोनों समुदाओं के धार्मिक गुरुओं का भत्ता बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल से जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को दो अलग-अलग भागों में बांटा जा रहा है। हजारों वर्ष पूर्व हिंदुओं में वैष्णव और शेव शाक्त के बीच में विवाद होते रहे हैं। हिन्दू समुदाय तीन भागों में बटे हुए थे। शुभेंदु सरकार ने पश्चिम बंगाल में इसी विवाद को फिर से खड़ा कर दिया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल का चुनाव हिंदुओं के नाम पर लड़ा है। हिंदू पुजारियों को आशा थी, उनका मानदेय बढ़ाया जाएगा। सरकार ने बढ़ाने के स्थान पर बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जय श्री राम के उद्घोष के साथ वहां पहुंची है। बड़ी संख्या में उत्तर भारत के लोग पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। सरकार के इस निर्णय से बंगाली पुजारियों में जबरदस्त नाराजी देखने को मिल रही है। उनका मानना है वह शाक्त भक्त हैं, मां काली की पूजा करते हैं। काली की तांत्रिक पूजा अलग तरह की होती है, जिसे वैष्णव और शैव स्वीकार नहीं करते हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सरकार बनने के बाद सरकार, पश्चिम बंगाल के पुजारियों के साथ हिन्दुओं में जो भेदभाव कर रही है। उससे यह धारणा बन रही है, पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी की सरकार हिंदुओं को हिंदुओं के बीच में बांटने का काम कर रही है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। प्रारंभ में ही यदि इस तरह के भेदभाव की भावना हिंदुओं के बीच में जागृत होती है, तो यह हिंदू एकता को लेकर भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान यह मामला कहीं ना कहीं सामने आया था। उत्तर भारत के जो नेता पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में गए थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से मांस और मछली खाकर यह विश्वास दिलाया था, वह बंगाल की संस्कृति और बंगाल की धार्मिक परंपरा के साथ कोई अन्याय नहीं करेंगे।

सरकार बनने के बाद जिस तरह से कालीभक्त पुजारियों के मानदेय को सरकार ने बंद किया है। उसके बाद वहां पर कहा जा रहा है, वर्तमान सरकार काली भक्तों को पसंद नहीं करती है। पश्चिम बंगाल की धार्मिक संस्कृति में भगवान राम और अन्य हिंदू देवी देवता जो शैव और वैष्णव संप्रदाय से आते हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल में साक्त भक्तों में स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव हुए हैं। लाखों की संख्या में अर्ध सैनिक बल तैनात किया गया। लगभग एक करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए। पश्चिम बंगाल के बाहर से अधिकारियों को लाकर चुनाव कार्य में लगाया गया।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस : रक्तरंजित राहों पर शांति का संकल्प

सुनील कुमार महला

किसी कवि ने क्या खूब लिखा है-आतंकवाद से धरा दूषित है, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरों के अब महायुद्ध हो जाने दो।

भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए वास्तव में आतंकवाद आज पूरी मानवता के लिए एक नासूर बन चुका है।सच तो यह है कि यह ऐसा दंश है, जिसमें केवल जहर ही जहर भरा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता और असमानता जैसी समस्याएँ अपनी जगह हैं, किंतु आतंकवाद इन सबमें सबसे अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह सीधे मानव सभ्यता, शांति और राष्ट्रीय एकता पर हमला करता है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इसका समूल नाश आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

पाठक जानते होंगे कि प्रतिवर्ष 21 मई को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (एंटी टेररिज्म डे) मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में उनकी स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरुमबुदुर में एक आत्मघाती आतंकी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। वास्तव में,इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और उग्रवाद से दूर रखना तथा समाज में शांति, एकता और सद्भाव का संदेश देना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस लोगों को आतंकवाद और हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का दिन है।दरअसल, इस दिवस का उद्देश्य केवल आतंकवाद का विरोध करना भर नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। यह दिन युवाओं को आतंकवाद और कट्टरता के खतरों से अवगत कराता है तथा हिंसा के स्थान पर संवाद, लोकतांत्रिक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही आतंकवाद से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और नागरिकों में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अर्थात जीरो टॉलरेंस की भावना विकसित करने का संदेश भी देता है।इस दिन देशभर के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ ली जाती है। इस प्रतिज्ञा में बिना किसी धर्म या संप्रदाय का नाम लिए मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का संकल्प लिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों और संस्थानों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में शहीद हुए जवानों और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

राजीव गांधी की हत्या भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक थी। यह हमला श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी एलटीटीई द्वारा किया गया था। एक महिला आत्मघाती हमलावर 'थानु' (धनु) ने फूलों का हार पहनाने के बहाने विस्फोट कर दिया, जिसमें राजीव गांधी की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भारत की आंतरिक सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए। विशेष सुरक्षा समूह यानी विशेष सुरक्षा समूह(एसपीजी) के नियमों को अत्यंत सख्त बनाया गया तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों को भी सुरक्षा दायरे में लाया गया।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एलटीटीई यानी कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम श्रीलंका का एक अलगाववादी गुरिल्ला संगठन था, जिसने श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी भागों में तमिलों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र तमिल ईलम की मांग को लेकर लगभग तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष किया। इसकी स्थापना वर्ष 1976 में वेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा की गई थी। प्रभाकरन अंत तक इस संगठन का सर्वोच्च और तानाशाही कमांडर बना रहा। एलटीटीई का आत्मघाती दस्ता ब्लैक टाइगर्स कहलाता था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक और अनुशासित आत्मघाती दस्तों में गिना जाता था।दरअसल, श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) को वर्ष 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद वहाँ बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच जातीय तनाव बढ़ने लगा। तमिलों का आरोप था कि सरकारी नौकरियों, शिक्षा और नागरिकता के मामलों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसी असंतोष ने धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले लिया और एलटीटीई जैसे संगठन का जन्म हुआ। शुरूआत में श्रीलंका में तमिलों पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, एलटीटीई के प्रति सहानुभूति थी। वर्ष 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के तहत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना श्रीलंका भेजी, लेकिन एलटीटीई ने हथियार डालने से इनकार कर दिया और भारतीय सेना से ही संघर्ष शुरू कर दिया। इसके बाद संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए। अंततः 21 मई 1991 को एलटीटीई ने आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी, जिसके बाद भारत सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एलटीटीई को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया और उसकी फंडिंग कमजोर पड़ती गई। अंततः वर्ष 2006 से 2009 तक चले चौथे ईलम युद्ध में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई को पूरी तरह पराजित कर दिया तथा 18 मई 2009 को प्रभाकरन की मृत्यु के साथ ही संगठन का अंत हो गया।

वास्तव में, अपने राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद कहलाता है। आतंकवाद की सबसे खतरनाक बात यह है कि अंततः यह उन लोगों को भी नष्ट कर देता है जो इसका समर्थन या अभ्यास करते हैं। आतंकवाद राष्ट्रीय सद्भाव, शांति और सामाजिक एकता को गहरी क्षति पहुँचाता है। सच तो यह है कि आतंकवाद का कोई धर्म, राष्ट्रीयता या मानवीय उद्देश्य नहीं होता। यह मानवता के विरुद्ध हिंसा और अमानवीयता की पराकाष्ठा है।महात्मा गांधी ने कहा था-मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ। गांधीजी ने सदैव अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कभी भी हिंसा और आतंकवाद को उचित नहीं माना। वास्तव में आतंकवाद स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार हरिओम पंवार की पंक्तियाँ भी इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक प्रतीत होती हैं-बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता।हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रस्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है, और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है। आज आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्या बन चुका है। विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में आतंकवाद तेजी से फैल रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर यूनाइटेड नेशंस में बार-बार यह चिंता व्यक्त की है, कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि जिन देशों में आतंकवाद से निपटने की क्षमता का अभाव है, उनकी सहायता की जानी चाहिए। भारत सदैव पंचशील, शांति, संयम और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों में विश्वास करता आया है तथा धर्म, जाति, संस्कृति और आस्था से परे हर प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता रहा है। हाल फिलहाल,यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि वर्ष 2026 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रहार नामक भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति जारी की गई है। इसका उद्देश्य आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर हमलों, ड्रोन खतरों तथा संगठित आतंकी नेटवर्क से समन्वित तरीके से निपटना है। इतना ही नहीं, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नार्वे में 19 मई 2026 मंगलवार को तीसरे भारत-नार्डिक समिट में हिस्सा लिया है, जहां नार्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के नेता जुटे। अच्छी बात यह रही कि इस समिट के दौरान सभी नेताओं ने हर प्रकार के आतंकवाद और कट्टरपंथ की कड़ी निंदा करते हुए सीमापार आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत बताई है। इतना ही नहीं,इस समिट के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले की भी कड़े शब्दों में निन्दा की गई है।

बहरहाल, आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में शांति, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जाए। आतंकवाद से लड़ना केवल सरकारों या सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें मानव जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हर प्रकार की विघटनकारी शक्तियों के विरुद्ध सजग रहना होगा।

अंत में किसी कवि की इन प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बात समाप्त करना उचित होगा-हर घर में दीप जलाना होगा, आतंकवाद के अँधेरे को मिटाना होगा।'अ' से अमरुद, 'च' से चरखा छोड़, 'अ' से अमन, 'च' से चैन पढ़ाना होगा। मेरी धरती, मेरा देश छोड़, हमारी धरती, हमारा देश सिखाना होगा। हर एक देश के नागरिक को अब, देश का पहरेदार बनाना होगा। धरती माँ की छाती से 'आतंकवाद' शब्द को मिटाना होगा। वास्तव में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हिंसा कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। शांति, संवाद, शिक्षा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से ही आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यह दिवस प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और मानवता की रक्षा के लिए सजग रहने की प्रेरणा देता है।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

ललित गर्ग

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चचाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप

महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में ह्लजी-2ह्व यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर ह्लचाइना प्लस वनह्व रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस ह्लवन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचरह्व की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

एक नजर

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

कोटद्वार आईटीडीए कैल्क कम्प्यूटर संस्थान बुरांश कोचिंग क्लासेस तथा अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंगलिश लेन्गवेज संस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद खंडूड़ी के आकस्मिक निधन पर मौन रखकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। संस्था के निदेशक ने डॉ नन्द किशोर जखमोला ने उनकी सेवाओं को याद करते हुए उत्तराखण्ड का सच्चा सपूत बताया। कहा कि उन्होंने राष्ट्र सेवा तथा जन सेवा के लिए समर्पित नेतृत्वकर्ता के रूप में आजीवन राष्ट्र एवं उत्तराखण्ड की सेवा की। संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी अरविन्द दुदपुडी ने कहा की वे अपने आप में एक व्यक्ति नही बल्कि एक संस्था थे , भारतीय सेना से लेकर संसद और विधानसभा तक अनुशासन और कर्तव्य निष्ठा का जो आदर्श उन्होंने स्थापित किया वह सदेव हमारे लिए प्रेरण स्त्रोत बना रहेगा । श्रद्वांजलि सभा में डॉ नन्द किशोर जखमोला ,श्रीमती अनिता जखमोला, राजेश्वरी काला, अरविन्द दुदपुडी , स्वाती कण्डवाल ,नितेश रावत सौरभ घनसेला , अंशिका डंगवाल, कशिस ,मोहित ठाकुर ,रजनी रावत ,भारत रावत, देवांश चमोली, अल्का रावत सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बेस चिकित्सालय कोटद्वार में दो नए चिकित्साधिकारियों की तैनाती

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में दो नए चिकित्सा अधिकारियों की तैनाती की गई है, जिससे आकस्मिक विभाग की सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इनमें से एक चिकित्साधिकारी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है, जबकि दूसरे जल्द ही अपना कार्यभार संभालेंगे। जानकारी के अनुसार, अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में चिकित्सा अधिकारियों के कुल 14 पद स्वीकृत हैं, लेकिन लंबे समय से केवल चार चिकित्सक ही तैनात थे। इस कमी के कारण विशेषज्ञ चिकित्सकों को भी इमरजेंसी में ड्यूटी देनी पड़ रही थी, जिससे उनकी ओपीडी सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की ओपीडी बाधित होने से मरीजों को समय पर परामर्श और उपचार में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब दो नए चिकित्साधिकारियों की तैनाती के बाद इमरजेंसी विभाग में व्यवस्था बेहतर होने और विशेषज्ञ चिकित्सकों को ओपीडी सेवाओं के लिए अधिक समय मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य विभाग के इस कदम से मरीजों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा और अस्पताल की आपातकालीन सेवाएं अधिक सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगी।

पेयजल की आपूर्ति सुचारू न होने से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र के कई मोहल्लों में पेयजल की आपूर्ति सुचारु न होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिन क्षेत्र में ट्यूबवेल से पेयजल आपूर्ति होती है वहां पर एक ही समय लोगों को पानी उपलब्ध हो पा रहा है। इसके अलावा पंपिंग पेयजल योजना से आच्छादित मोहल्लों में भी पानी की आपूर्ति अनियमित बनी हुई है। नगर के नर्सरी रोड से सटे ट्रेजरी मोहल्ला, प्रगति विहार, कंसमर्दिनी, डांग, उफल्डा, शक्ति विहार, अलकंनदा विहार, भक्तियाना, चुंगी के आस-पास, ब्राह्मण मोहल्ला आदि क्षेत्रों में लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। लोगों का कहना है कि गरमी बढ़ते ही जल संस्थान के पंप भी हांपने लग जाते हैं।

जहां ट्यूबवेल लगे हैं वहां भूमिगत जल स्तर कम हो गया है। इससे एक ही समय जल संस्थान पेयजल आपूर्ति करा पा रहा है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल का कहना है कि नगर क्षेत्र के कई हिस्सों में पेयजल की व्यवस्था बुरी तरह से चरमराई हुई है। होटल कारोबारियों को भी भारी दिक्कतें हो रही हैं। यदि पेयजल आपूर्ति सुचारु नहीं होती है तो वह लोगों को साथ लेकर जल संस्थान का घेराव करेंगे। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल का कहना है कि तकनीकी दिक्कत के कारण कुछ स्थानों पर पानी नहीं आ पा रहा होगा। ट्यूबवेल और पंपिंग का पानी एक साथ पंप किया जा रहा है। प्रेशर कम होने से दिक्कत हो रही है। जल्द स्थिति ठीक हो जाएगी। (एजेंसी)

पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूड़ी को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन द्वारा बुधवार को संघ भवन में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने स्व. खंडूड़ी को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि खंडूड़ी ने देश और प्रदेश के विकास और जनसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। शोक सभा में त्रिलोक सिंह रावत, सुरेश चंद्र बड़थ्वाल, सरदार सिंह रावत, केदार सिंह गुसाईं, विक्रम सिंह राणा, दिनेश रावत, श्रीधर पंवार, जसपाल सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

चेन चोरी करने वाला अंतरराज्यीय गैंग पुलिस के हत्थे चढ़ा

महिला को बातचीत में उलझाकर उड़ाई थी सोने की चेन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ऑटो में सफर कर रही महिला के गले से सोने की चेन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय बाबरिया गैंग का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिलाओं को बातचीत में उलझाकर जेवरात चोरी करने की वारदातों को अंजाम देते थे।

घटना उस समय हुई जब घमंडपुर निवासी एक महिला लालबत्ती चौक से ऑटो में बैठकर घर लौट रही थी। ऑटो में मौजूद कुछ महिलाओं ने सफर के दौरान उससे बातचीत शुरू कर दी और मौका मिलते ही उसके गले से करीब एक तोले की सोने की चेन पार कर दी। महिला को चोरी की जानकारी तब हुई, जब वह अपने गंतव्य पर पहुंची। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने शहर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध कार नजर आई। तकनीकी साक्ष्यों और सुरागरसी के आधार पर पुलिस टीम हरियाणा के पानीपत पहुंची, जहां से राजेंद्र सिंह और मुस्कान को गिरफ्तार किया गया। मामले में एक अन्य महिला आरोपी अभी फरार है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विशेष रूप से महिलाओं को निशाना बनाते थे और भीड़भाड़ वाले वाहनों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार चोरी की गई चेन को आरोपियों ने पानीपत में करीब 80 हजार रुपये में बेच दिया था। आरोपियों के पास से 23 हजार रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त कार बरामद की गई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राजेंद्र उर्फ नरेश एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जिसके खिलाफ हरियाणा में लूट और चेन स्नैचिंग के कई मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में आरोपी

कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित आवास की बड़ी पहल

भाबर क्षेत्र में बनाया जा रहा आधुनिक वर्किंग वूमेन हॉस्टल का भवन

उत्तरी झंडीचौड़ में 3.60 करोड़ की लागत से बन रहा आधुनिक वर्किंग वूमेन हॉस्टल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के उत्तरी झंडीचौड़ में कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्माण कार्य किया जा रहा है। बाल विकास विभाग की ओर से करीब 3.60 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक वर्किंग वूमेन हॉस्टल का निर्माण कराया जा रहा है, जो क्षेत्र की महिलाओं के लिए राहत और अवसरों का नया द्वार साबित होगा। इस हॉस्टल में 28 आधुनिक कमरे बनाए जा रहे हैं, जहां कामकाजी महिलाएं सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में रह सकेंगी। इसके साथ ही परिसर में 29 शौचालय और बाथरूम की व्यवस्था की गई है, जिससे स्वच्छता और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित होंगी। महिलाओं की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हॉस्टल में सामूहिक भोजन के लिए विशाल डाइनिंग हॉल और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किचन का निर्माण भी किया जा रहा है। यह व्यवस्था रहने वाली महिलाओं को बेहतर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक होगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि यह हॉस्टल विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगा, जो रोजगार, शिक्षा या अन्य कार्यों के लिए शहरों और कस्बों में रहकर अपने भविष्य को संवार रही हैं। सुरक्षित आवास मिलने से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और करियर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है, जिससे क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं को बेहतर और सुरक्षित जीवन-पर्यावरण उपलब्ध हो सकेगा।

पहाड़ की संस्कृति और भूमि संरक्षण के लिए एकजुटता का आह्वान

जैहरी क्षेत्र में रैली निकालते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने पहाड़ी भूमि, पर्यावरण और सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के लिए आम जनता से एकजुट होकर आगे आने की अपील की है। संगठन का कहना है कि यदि समय रहते सामूहिक प्रयास नहीं किए गए तो पहाड़ की मूल पहचान और संसाधन खतरे में पड़ सकते हैं। जैहरी में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष संदीप रौतेला ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पहाड़ी क्षेत्रों में भूमि और संसाधनों पर बाहरी दबाव बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय लोग प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रमुख राजनीतिक दलों की नीतियों के कारण पहाड़ों में समस्याएं बढ़ी हैं और विकास के नाम पर वास्तविक जरूरतों की अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि मूलभूत सुविधाओं की कमी के चलते पहाड़ी क्षेत्रों से लगातार पलायन बढ़ रहा है, जिससे गांव खाली होते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पहाड़ों को बचाने के लिए क्षेत्रीय एकता और मजबूत स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व आवश्यक है। सभा में मौजूद नेताओं ने भी कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पहाड़ की भूमि और संस्कृति पर गंभीर असर पड़ेगा। इस अवसर पर कुलदीप रावत आदि मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर संचालकों ने बंद रखें प्रतिष्ठान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार जिला मुख्यालय में मेडिकल स्टोर संचालकों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। हड़ताल को लेकर डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने पहले ही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को सूचित किया। मेडिकल स्टोर संचालकों ने कहा कि छोटे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है, साथ ही मरीजों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ रहा है। ऑल इंडिया आर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर मेडिकल स्टोर संचालकों ने यह हड़ताल की थी। हड़ताल के चलते सुबह से ही शहर में सभी मेडिकल स्टोर बंद रहे। डिस्ट्रिक केमिस्ट एंड ड्रगस्टि एसोसिएशन के जिला महामंत्री सुधीर जुयाल ने कहा कि दवा व्यापारी ऑनलाइन दवा बिक्री, कॉर्पोरेट कंपनियों की भारी छूट और नकली दवाओं के भंडारण के आदि खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। ई-फार्मेसी संचालन और 2016 की अधिसूचना की वापसी की मांग की जा रही है।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड के पांणव गांव निवासी प्रदीप गोदियाल ने क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान न होने पर 3 जून को बडियारगढ़ क्षेत्र के तेगड़ में धरना करने की चेतावनी दी। एसडीएम कार्यालय को सौंपे ज्ञापन में गोदियाल ने कहा कि क्षेत्र में भारत और इंडेन गैस सर्विस आपूर्ति करने में नाकाम हो रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस नं0- UK. 1520040007520 में मेरा नाम Moh. Yameen S/o Abdul Hamid Urf Chotu अंकित है, जो कि गलत दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम Mohd. Yameen पुत्र Abdul Hameed है जो कि मेरे आधार कार्ड में अंकित है।

अतः मेरे ड्राईविंग लाईसेंस नं0- UK. 1520040007520 में मेरा सही नाम Mohd. Yameen पुत्र Abdul Hameed दर्ज किया जाय।

मौ0 यामीन पुत्र अब्दुल हमीद निवासी गोविन्दनगर, नियर नगीना नर्सिंग होम, वार्ड नं0- 15, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0522/21

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी को दी गई श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूडी के निधन पर विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों ने शोक सभाओं का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने उन्हें उत्तराखंड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला जननेता बताया और उनके कार्यों को याद किया। उत्तराखंड विकास समिति की ओर से जौनपुर स्थित कार्यालय में आयोजित शोक सभा में स्व. खंडूड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष जानकी वल्लभ मैंदोला, शशिमोहन उनियाल, बृजमोहन ममंगाई, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, विपुल उनियाल, सावित्री रावत, कलावती बिष्ट और विजय माहेश्वरी सहित कई लोग उपस्थित रहे। वही, उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी मोर्चा ने भी पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूडी के निधन पर शोक व्यक्त किया। कहा कि वह सदैव समाज की आवाज बने रहे। 2007 में उन्होंने आंदोलनकारियों के चिह्निकरण समेत कई शासनादेश आंदोनकारियों के हितों को लेकर पारित किए। शोक व्यक्त करने वालों में भगवती प्रसाद कंडवाल, महेंद्र सिंह रावत, संजू कश्यप, हयात सिंह गुसाई, पंकज उनियाल, अशोक कंडारी, राजेंद्र सिंह, विजय पाल, दीपक बिष्ट, मनमोहन नेगी आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए (एकल पैकेट प्रणाली) के अन्तर्गत खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं:–

1	कार्य का नाम व स्थान	कौरहा स्टेशन पर नए माल गोदाम में बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के प्रावधान सहित स्टेशन भवनों, सेवा भवनों, माल गोदाम, परिसंचार क्षेत्र के विद्युतीकरण के लिए सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य, चंदौसी, ज्वालापुर और जंगबहादुर गंज माल गोदामो में बुनियादी ढांचे का उन्नयन/आधुनिकीकरण और उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/मुरादाबाद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी अन्य स्थल पर सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य ।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 1,64,24,757.78/-
4	बयाना राशि जो जमा की जानी है	₹ 3,28,500/- (ऑनलाइन जमा करें) बोली सुरक्षा या तो ई–पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड अनुबंध–ए (1) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा।
5	ई–निविदा जमा करने एवं ई–निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 10.06.2026 समय 15:00 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 10.06.2026 समय 15:00 बजे खोली जाएगी।
6	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 26.05.2026 से दिनांक 10.06.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। निविदाकर्ता जो ई–निविदा में भाग लेने को इच्छुक है उनको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपना ई–पंजीकरण करा ले जिसके लिए उन्हें क्लास III डिजिटल प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी (यदि पहले से उपलब्ध नहीं है), जो आई टी नियम–2000 के अन्तर्गत सीसीए द्वारा जारी की जाएगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में दिये गये है। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

प्रपत्र सं. 17–विद्युत/नि/टी/जी.पी.एस/एम.बी./64-A दिनांक: 20.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1699/26

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा नजीबाबाद, रामपुर तथा डोईवाला स्टेशन पर पार्किंग के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 05.06.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 1706/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

(शुद्धि पत्र)

Tender Notice- 09Amar-raja-SNT-SigMB-CCTVRRoom-CharBatt-8-shed-MB-2025-26 Date. 19.05.2026

विषयः–मुरादाबाद मंडल के संकेत एवम् दूरसंचार के टेंडर की निविदा के शुद्धि–पत्र सम्बन्ध में।

सन्दर्भः–इस कार्यालय का टेंडर नोटिस संख्या 09Amar-raja-SNT-SigMB-CCTVRRoom-CharBatt-8-shed-MB-2025-26,dated 08.05.2026

उक्त सन्दर्भ में मुरादाबाद मंडल की एस0 एंड टी० शाखा के निम्न कार्य के लिए निविदा खोलने की तिथि में बदलाव किया गया है:

क्रम सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	निविदा खोलने के लिए पुरानी तिथि और समय	निविदा खोलने के लिए नयी तिथि और समय
1	2	3	4
1	**SNT-Sig-ELD-FACS-MB-202** प्रोविजन ऑफ़ इ एल डी एंड अफ ए सी एस एट आई बी एस एंड एल सी गेट ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	05/06/2026, 15:00	12/06/2026, 15:00
2	**4RT-T-CCTVRRoom-MB25-26** मुरादाबाद मंडल के सभी प्रमुख स्थानों पर रिटायरिंग रूम और टिकट काउंटरों के साझा क्षेत्रों की निगरानी के लिए CCTV कैमरे उपलब्ध कराना।	05/06/2026, 15:00	12/06/2026, 15:00
3	**02RT-T-CharBatt-MB-25-26** मुरादाबाद मंडल में पुराने हो चुके SMPS–आधारित चार्जर्स के स्थान पर, दूरसंचार उपकरणों के लिए SMPS–आधारित चार्जर्स और बैटरियों की आपूर्ति।	05/06/2026, 15:00	12/06/2026, 15:00
4	**01-TELE-8-shed-MB-2025** मुरादाबाद मंडल के आठ गुड्स शेड (SEO, AWP, DPR, BJO, DUB, IQB, RK & BEK) पर बुनियादी ढांचे का प्रावधान/उन्नयन।	05/06/2026, 15:00	12/06/2026, 15:00

निविदा की अन्य नियम व शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नोटः– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 1685/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ कोटद्वार में दवा व्यापारियों का प्रदर्शन

केमिस्ट एसोसिएशन ने प्रतिष्ठान बंद कर जुलूस निकाला, नियमों में सख्ती की मांग

कोटद्वार में आक्रोश रैली निकालते एसोसिएशन के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्ट एसोसिएशन ने बुधवार को अपने सभी प्रतिष्ठान बंद रखकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान दवा व्यापारियों ने जुलूस निकालकर तहसील परिसर तक पहुंचकर ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग उठाई।

देशव्यापी बंद के समर्थन में झंडाचौक से तहसील तक नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाल प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने जनस्वास्थ्य पर उत्पन्न गंभीर खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार से दवाइयों की अवैध ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाते हुए कैमिस्टों को संरक्षण देने की मांग की। कहा कि बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के ऑनलाइन माध्यम से दवाइयों की बिक्री, फर्जी ई प्रिस्क्रिप्शन, बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श के घर-घर दवा वितरण और अत्यधिक छूट जैसी गतिविधियां करोड़ों मरीजों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। साथ ही ये देशभर के लाखों लाइसेंसधारी छोटे कैमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं के अस्तित्व पर भी सीधा संकट उत्पन्न कर रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कैमिस्ट एसोसिएशन ऑनलाइन माध्यम से धड़ल्ले से दवाइयों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने की मांग लगातार करता आ रहा है, लेकिन अभी तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदर्शनकारियों में कैमिस्ट एसोसिएशन के महासचिव विजयपाल नेगी, कोषाध्यक्ष पाणिनी बौंठियाल, विजय माहेश्वरी, नरेंद्र बड़थ्वाल, सिकंदर, सत्यम, संजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, रोशन काला, अनिल नेगी, सुहेल आदि शामिल रहे। वहीं, मेडिकल स्टोर बंद होने से लोगों को दवाइयां न मिलने पर परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कार्यालय - नगर निगम कण्वनगरी, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)

पत्रांक - 992/नि0अनु0/नि0का0/2026-27 दिनांक - 19/05/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार के पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यो की सील बन्द निविदाएँ दिनांक 26/05/2026 को अपराहन 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 21/05/2026 से 25/05/2026 को अपराहन 04:00 तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा करने के उपरान्त प्राप्त किये जा सकते है। निविदा दिनांक 26/05/2026 को सायं 04:00 बजे उपस्थित निविदाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। किसी भी दर/निविदा को अस्वीकृत अथवा निरस्त करने का सम्पूर्ण अधिकार नगर आयुक्त, नगर निगम कोटद्वार के पास सुरक्षित होगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क +18% GST	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता
1	वार्ड न0 11 में झण्डाचौक पर पायनर की दुकान के पास एन0एच0 रोड पर जल निकासी हेतु आर0सी0सी0 पुलिया का निर्माण कार्य।	20,600.00	1000+180	30 दिन	45 दिन

सहायक नगर आयुक्त
नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार।

(0185/61)

एक नजर

प्रतिदिन 250 श्रद्धालु ही भेजे जाएंगे रुद्रनाथ

चमोली। चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट खुलने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग ने रुद्रनाथ तक प्रतिदिन 250 श्रद्धालुओं को ही भेजने का निर्णय लिया है। बिना अनुमति रुद्रनाथ की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं पर कार्रवाई की जाएगी। 18 मई को रुद्रनाथ मंदिर के कपाट खुले थे। पहले दिन से ही रुद्रनाथ में तीर्थयात्रियों का दबाव इतना बढ़ गया कि व्यवस्थाएं कम पड़ गईं। अब वन विभाग ने रुद्रनाथ के लिए सगर गांव से सीमित श्रद्धालुओं को भेजने की योजना बनाई है। वन क्षेत्राधिकारी भरत सिंह नेगी ने कहा कि यात्रा मार्ग पर स्थित इको–विकास समितियों, मंदिर समिति की धर्मशालाओं और होटलों में प्रतिदिन लगभग 250 यात्रियों के ठहरने की क्षमता है। इसलिए निर्णय लिया गया है कि प्रतिदिन 250 श्रद्धालुओं को ही रुद्रनाथ ट्रैक पर भेजा जाएगा। दोपहर दो बजे के बाद किसी को भी रुद्रनाथ जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही यात्रा करें तथा मौसम और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करते हुए ही रुद्रनाथ की यात्रा पर निकलें।

गर्मी बढ़ने से एसी-कूलर की बढ़ी डिमाड़

श्रीनगर गढ़वाल : मई महीने की शुरुआत में हुई बारिश और ठंडक ने श्रीनगर के एसी और कूलर कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी थी। ठंडक के कारण बाजार में खरीदार कम रहे और व्यापार प्रभावित हुआ। हालांकि, पिछले दो दिनों से बढ़ी गर्मी के बाद अब लोग एसी-कूलर खरीदने बाजार पहुंचने लगे हैं, जिससे कारोबारियों के चेहरे फिर खिल गए हैं स्थानीय कारोबारी मोहित, आशीष सडाना, अनंत अग्रवाल, प्रीतपाल नरूला और दीपक जैन ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने गर्मी की उम्मीद में पहले ही गोदामों में पर्याप्त स्टॉक भर लिया था, क्योंकि सीजन में कंपनियों से समय पर सप्लाई मिलना मुश्किल हो जाता है। व्यापारियों के अनुसार कई दुकानदारों ने बाजार से उधार लेकर भी सामान मंगवाया है जिससे उन पर भुगतान और सप्लाई का दबाव बना हुआ है। फिलहाल तापमान बढ़ने के साथ बाजार में उम्मीद लौट आई है और कारोबारियों को आने वाले दिनों में अच्छी बिक्री की उम्मीद है। (एजेंसी)

अब 25 को होगी अकादमिक काउंसिल की बैठक

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल की 21 मई को प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी के निधन पर होने पर तीन दिवस के राजकीय शोक के कारण यह निर्णय लिया गया। अब अकादमिक काउंसिल की बैठक 25 मई को पूर्वाह्न 11 बजे से अकादमिक एक्टिविटी सेंटर, चौरास में हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएगी। (एजेंसी)

शिविर में हुई लोगों की स्वास्थ्य की जांच

चमोली। हंस फाउंडेशन ने बाजार में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसमें 79 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में अधिकांश रोगी पेट और हड्डियों से संबंधित थे। शिविर में दो कान के और तीन हॉर्निया के गंभीर मरीज मिले। नेत्र चिकित्सक राजदीप ने आठ मरीजों में मोतियाबिंद पाया। चिकित्सक सुमित ने बताया कि चौदह रोगियों को शल्य क्रिया की आवश्यकता है जिन्हें 23 मई को वाहन द्वारा सतपुली ले जाया जाएगा। शिविर में निशुल्क दवाएं और चश्मे भी बांटे गए। व्यापार संघ के उपाध्यक्ष संदीप शाह, मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष विजय चमोला और ग्राम प्रधान आरती बहुगुणा सहित अन्य ने फाउंडेशन का आभार जताया।

चार माह बाद बनकर तैयार हुआ कॉजवे व डाट पुलिया

चमोली। पोखरी–हापला–गोपेश्वर मोटर मार्ग पर बगथल और नारी गदेरे में लंबे समय से चल रहे डाट पुलिस व कॉजवे का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इससे सड़क के इस हिस्से पर होने वाली परेशानी दूर हो गई है। इसके निर्माण की धीमी गति को लेकर चालक सहित स्थानीय लोग काफी परेशान थे। स्थानीय लोगों ने इसको लेकर कई बार लोनिवि से शिकायत की। लोनिवि के ईई राजकुमार ने ठेकेदार पर सख्ती दिखाते हुए निर्माण कार्य तेज करवाया। वाहन चालक सज्जन रडवाल, दिनेश चौधरी, सूफी चौधरी, अनुसुइया बर्त्वाल, भगत सिंह, प्रदीप राणा, किशन करासी आदि ने कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने से इस क्षेत्र में हो रही परेशानी दूर हो गई है।

फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा ने किए बदरीनाथ के दर्शन

चमोली। हिंदी फिल्मों के अभिनेता आशुतोष राणा ने बुधवार को भगवान बदरीविशाल के दर्शन किए। उन्होंने चारधाम यात्रा को अत्यंत सौभाग्य व परम कल्याण का मार्ग बताया। बदरीनाथ पहुंचे आशुतोष राणा ने कहा कि आज के दर्शन का अनुभव अविस्मरणीय है। यहां आकर एक अलग तरह की आध्यात्मिक शांति का अनुभव होता है। उच्च हिमालयी क्षेत्र में विराजमान बदरीविशाल के दर्शन करने का सौभाग्य जिसे भी मिलता है उसे दर्शन करने चाहिए। उन्होंने यात्रा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस और प्रशासन की तारीफ की। कहा कि हजारों की संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के बावजूद बेहतर शानदार व्यवस्था बनाई गई है। दर्शन के बाद वे बदरीनाथ धाम स्थित शंकराचार्य मठ पहुंचे। उन्होंने मठ स्वामी मुकुंदानंद गिरी महाराज से आशीर्वाद लिया और भोजन ग्रहण किया।

युवाओं को एस्ट्रो टूर गाइड की बारीकियां बताई

नई टिहरी। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के तत्वाधान में नव दुर्गा मंदिर बौराड़ी की लाइब्रेरी हॉल में युवाओं को एस्ट्रो टूर गाइड की बारीकिया बताई जा रही है। 15 दिवसीय इस प्रशिक्षण में स्टार स्केप हल्द्वानी से आए विशेषज्ञ हेम शर्मा और राजू गोस्वामी युवाओं को ग्रहों, गहरे आसमान के साथ चांद और सूर्या के अवलोकन के बारे में बता रहे हैं।

पौड़ी में गैर सरकारी अस्पताल में हुआ पहला सफल आपरेशन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद मुख्यालय के उत्तरा केयर अस्पताल के आपरेशन थियेटर ने काम करना शुरू कर दिया है। श्रीनगर रोड़ स्थित इस अस्पताल के थियेटर में बुधवार को पेट (हर्निया) का पहला सफल आपरेशन हुआ है। पौड़ी में किसी गैर सरकारी अस्पताल में यह पहला सफल आपरेशन किया गया है। उत्तरा केयर हॉस्पिटल में अस्पताल के अनुभवी जनरल सर्जन डॉ. पवन यादव, (एमबीबीएस, एमएस, एफएएमएस) एवं उनकी कुशल टीम द्वारा यह पहला सफल ऑपरेशन किया गया।

ऑपरेशन आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। डॉ. पवन यादव ने बताया कि ऑपरेशन के पश्चात मरीज की स्थिति पूर्णतः स्थिर एवं संतोषजनक है। ईसा फाउण्डेशन के संस्थापक इन्द्रजीत सिंह नेगी ने अस्पताल प्रबंधन एवं डॉ. पवन यादव और पूरी मेडिकल टीम को इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह अस्पताल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में भी अस्पताल में विभिन्न प्रकार की सर्जरी एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी। उन्होंने कहा कि इस सफल ऑपरेशन के साथ उत्तरा केयर अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि उत्तरा केयर हॉस्पिटल का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। अस्पताल में आधुनिक उपकरणों, प्रशिक्षित स्टाफ एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की सहायता से निरंतर बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस सफल ऑपरेशन की मॉनिटरिंग एवं संपूर्ण व्यवस्थाओं का निर्देशन डॉ. वी.एस. टोलिया, (निदेशक स्वास्थ्य), अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जे.पी. चमोली और प्रबन्धक मनोज गोबिल द्वारा की गई। इन सभी अधिकारियों ने इस उपलब्धि को अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए पूरी टीम के कार्य की सराहना की।

नम आंखों से दी पूर्व सीएम बीसी खंडूड़ी को अंतिम विदाई

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को बलवीर रोड, देहरादून स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें नम आंखों से विदाई दी। मुख्यमंत्री ने पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का संपूर्ण जीवन अनुशासन, सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने उत्तराखंड के विकास एवं जनसेवा में जो योगदान दिया, उसे यह प्रदेश सदैव याद रखेगा। मुख्यमंत्री ने उनके निधन को राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूरी भूषण, महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार, कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, खजान दास, पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, मेयर सौरभ थपलियाल, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सुलभ शौचालय का काम छह माह से अधूरा

नई टिहरी। नगर पंचायत चमियाला की सुस्त कार्यशैली का खामियाजा व्यापारियों, स्थानीय लोगों और चारधाम यात्रा मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। बाजार क्षेत्र में निर्माणाधीन सुलभ शौचालय का कार्य बीते छह माह से धीमी गति से चल रहा है। तय समय सीमा बीतने के बावजूद निर्माण पूरा नहीं होने से लोगों में नगर पंचायत के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसका उद्देश्य व्यापारियों, गांवों से खरीदारी के लिए बाजार पहुंचने वाले ग्रामीणों और चारधाम यात्रा पर आने–जाने वाले यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराना था। निर्माण कार्य को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन निर्धारित समय बीतने के दो माह बाद भी शौचालय अधूरा पड़ा है। चमियाला में पहले से मौजूद दूसरा शौचालय बाजार क्षेत्र से काफी दूरी पर स्थित है। ऐसे में दुकानदारों, महिलाओं, बुजुर्गों और यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बाजार आने वाले ग्रामीणों को भी काफी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान बाजार में आवाजाही बढ़ने के बावजूद शौचालय निर्माण में तेजी नहीं लाई जा रही है जिस धीमी गति से शौचालय का निर्माण चल रहा है उस स्थिति में कार्य पूरा होने में दो से तीन माह का वक्त और लग सकता है।

श्रीनगर में जंगलों की आग और ब्लैक कार्बन से बढ़ा खतरा

लगातार बढ़ रहा तापमान

नगर क्षेत्र में 7 मई को अधिकतम तापमान लगभग 27 डिग्री सेल्सियस था जो 19 मई तक बढ़कर लगभग 39 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यानि दो सप्ताह के बीच तापमान में करीब 12 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वैज्ञानिकों ने इसे हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते हीट स्ट्रेस का संकेत बताया है। बढ़ता तापमान, जंगलों में आग, जल स्रोतों पर दबाव और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि के भौतिकी विभाग स्थित हिमालयी वातावरणीय एवं अंतरिक्ष भौतिकी शोध प्रयोगशाला ने मौसमीय परिवर्तन एवं वायु गुणवत्ता का चतुर्थ सूचना बुलेटिन जारी किया। यह बुलेटिन श्रीनगर एवं आसपास के हिमालयी क्षेत्रों में मौसम, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) तथा ब्लैक कार्बन स्तरों पर आधारित है। इसके तहत श्रीनगर में एक्यूआई 390 के करीब है जो वायु गुणवत्ता की दृष्टि से बहुत ही खराब है। जंगलों की आग और ब्लैक कार्बन से खतरा बढ़ा है। भौतिकी विभाग, बिरला परिसर में विभागाध्यक्ष प्रो. त्रिलोक चंद्र उपाध्याय ने कहा कि डॉ. आलोक सागर गौतम एवं उनकी शोध टीम अमनदीप विश्वकर्मा, अंकित कुमार और सरस्वती रावत को इस पर अध्ययन किया है। बुलेटिन जारी करते हुए डॉ. गौतम ने कहा कि 6 से 20 मई के बीच श्रीनगर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती दिनों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में रहा, लेकिन 10 मई को यह 215 तक पहुंच गया जो खराब श्रेणी माना जाता है। 19 मई को एक्यूआई 356 तथा 20 मई की सुबह लगभग 10 बजे यह बढ़कर करीब 390 तक पहुंच गया जो वेरी पुअर से सीवियर श्रेणी के निकट है। इस स्तर पर वातावरण में ब्लैक कार्बन और धुएं की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है, जिससे सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन, एलर्जी, अस्थमा और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं ने लोगों को दोपहर की तेज धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने, एक्यूआई अधिक होने पर मास्क का उपयोग करने तथा बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। वैज्ञानिकों ने वनाग्नि नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग, कृषि अवशेष प्रबंधन तथा वायु गुणवत्ता की सतत निगरानी को समय की आवश्यकता बताया है। (एजेंसी)

मद्महेश्वर की उत्सव डोली पहुंची गौंडार गांव, आज खुलेंगे कपाट

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली भोलेनाथ के जयकारों, मांगल गीतों व वाद्य यंत्रों के साथ बुधवार को रात्रि प्रवास के लिए गौंडार गांव पहुंची। बृहस्पतिवार को डोली गांव से मद्महेश्वर मंदिर पहुंचेगी और पूर्वाह्न 11 बजे कपाट खोल दिए जाएंगे। बुधवार को मद्महेश्वर मंदिर के पुजारी शिव शंकर लिंग एवं राकेश्वरी मंदिर के पुजारी ईश्वरी प्रसाद भट्ट ने भगवान मद्महेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली की आरती उतारी। इसके बाद डोली ने मंदिर की परिक्रमा कर भक्तों को आशीर्वाद दिया। ग्रामीणों ने डोली को पगड़ी पहनाकर अकतोली धार तक विदा किया। सुबह सवा सात बजे डोली राकेश्वरी मंदिर रांसी से रवाना हुई और 10 बजे गौंडार गांव पहुंची। यहां ग्रामीणों ने डोली यात्रा का स्वागत करते हुए सामूहिक अर्घ्य लगाया। डोली प्रभारी किशन त्रिवेदी ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु डोली की अगुवाई कर रहे हैं। इस मौके पर बीकेटीसी के सदस्य प्रह्लाद पुष्वाण, पूर्व सदस्य शिव सिंह रावत, प्रधान अनूप पंवार, थोर मंडारी मदन सिंह पंवार, पूर्व प्रधान कुंती नेगी, फते सिंह पंवार, रवींद्र भट्ट, वीरेंद्र सिंह पंवार, दीपक रावत, जगत सिंह पंवार, दलीप रावत, रणजीत रावत, नारायण दत्त जुयाल, राहुल कुमार, दिग्विजय रावत, रघुवीर बर्त्वाल आदि मौजूद रहे।

मेधावी छात्रा जस्सी गौडियाल का सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार की होनहार छात्रा जस्सी गौडियाल ने 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर आजाद समाज पार्टी की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने जस्सी की सफलता को मेहनत, लगन और शिक्षा के प्रति समर्पण का परिणाम बताते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर छात्रों को शिक्षा के महत्व और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। चंद्रशेखर आजाद ने वीडियो कॉल के माध्यम से जस्सी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं पार्टी पदाधिकारियों ने उन्हें भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री फूले की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सुषमा ने कहा कि जस्सी ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से पूरे समाज का मान बढ़ाया है।

जिलाध्यक्ष अमन कुमार ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में बाल्मिकी समाज के अध्यक्ष, सफाई कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और सफलता समाज के विकास की मजबूत नींव है तथा ऐसे मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने से अन्य बच्चों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

सर्विस लेन पर घंटों जाम में फंसे लोग

हरिद्वार। धर्मनगरी में बुधवार को हाईवे की सर्विस लेन पर लगे लंबे जाम ने लोगों को बेहाल कर दिया। रोड़ीबेलवाला, भूपतवाला और बैरागी कैंप जाने वाले मार्ग पर सुबह से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हालात ऐसे रहे कि दोपहिया और चारपहिया वाहन घंटों रेंगते नजर आए। जाम में श्रद्धालु, स्कूली बच्चे, नौकरीपेशा लोग और स्थानीय निवासी फंसे रहे, जबकि मौके पर ट्रैफिक पुलिस नदारद दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र में सर्विस लेन के किनारे अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े किए जा रहे हैं, जिससे सड़क संकरी हो गई है और यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासी पंकज शर्मा ने बताया कि सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग के कारण वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। राहगीर विजय कुमार ने कहा कि हरिद्वार में पर्यटन और तीर्थ यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था उसी अनुपात में मजबूत नहीं की जा रही। वहीं, अरुण कुमार ने प्रशासन से सर्विस लेन से अवैध पार्किंग हटाने और नियमित रूप से ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की मांग की है।

बंद रहीं दवा की दुकानें, मरीजों की आई आफत

रुद्रप्रयाग। ऑनलाइन दवा की बिक्री रोकने, कोविड जीएसआर 220 वापस लाने समेत कई मांगों के संबंध में राष्ट्रव्यापी बंद के आह्वान पर जिले के सभी मेडिकल स्टोर बंद रहे। जिला मुख्यालय समेत गौरीकुंड, सोनप्रयाग, फाटा, रामपुर, अगस्त्यमुनि, ऊखीमठ क्षेत्र में दवा दुकानें बंद रहने से मरीजों और तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। दवा व्यापारियों ने मांगों के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी ज्ञापन भेजा। बुधवार को हुए बंद के दौरान डायबिटीज, ब्लड प्रेशर व अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज दवा के लिए भटकते नजर आए। जन औषधि केंद्रों में भी कई जरूरी दवा उपलब्ध नहीं होने से परेशानी उठानी पड़ी। दवा विक्रेताओं का कहना है कि ऑनलाइन फार्मेसी की अनियंत्रित व्यवस्था और कॉर्पोरेट कंपनियों की भारी छूट से छोटे मेडिकल स्टोर संचालकों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष दीपांशु भट्ट ने कहा कि यह आंदोलन केवल व्यापार बचाने का विषय नहीं है यह मरीजों की सुरक्षा और लाखों लोगों की आजीविका से जुड़ा मुद्दा है। वहीं महामंत्री लक्ष्मण सिंह बिष्ट ने कहा कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इस दौरान एसएस कुंवर, सुरेश गोदियाल, अनुसूया भट्ट, हरिहर रावत, हरिऔध बगवाड़ी, मनीष मैखुरी, शमशेर मल, दलबीर बर्त्वाल, महिपाल बजवाल, महेश बर्त्वाल, बलबीर लाल, लक्ष्मण रावत और जगदंबा सकलानी सहित अन्य केमिस्ट मौजूद रहे।

केमिस्ट एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

कर्णप्रयाग। बुधवार को नगर में सभी दवाओं की दुकानें बंद रहीं। केमिस्ट एसोसिएशन ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांगों पर कार्रवाई करने की मांग की। वही मरीज और तीमारदार दवा के लिए भी भटकते रहे। ऑनलाइन दवा की बिक्री रोकने, कोविड जीएसआर 220 वापस लाने आदि की मांग को लेकर ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट और ड्रगिस्ट के बैनर तले मेडिकल स्टोर के संचालकों ने प्रतिष्ठानों को बंद रखा। केमिस्ट और ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रेम चंद्र पुरोहित ने बताया कि ऑनलाइन दवा की बिना जांच के बिक्री की जा रही है जबकि इस दौरान कई नशे की दवा की भी आपूर्ति की जा रही है जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। वही मेडिकल स्टोर बंद होने से लोगों को दवाइयों के लिए इधर–उधर भटकना पड़ा। कंडारा गांव के विजय कुमार ने बताया कि उनके किसी परिचित को दवा चाहिए थी। मगर नही मिली। वही सारी के दिनेश बिष्ट ने बताया कि उनकी पत्नी के लिए कुछ दवाएं लेनी थी लेकिन दवा नही मिल पाई। वही वीरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें बीपी तक की गोली बाजार में नही मिली। इस मौके पर एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष ललित मोहन खंडूड़ी, वीरेंद्र बर्त्वाल, अंकित गुसाईं, कैलाश सती, अमित पंत, दिनेश पुरोहित आदि मौजूद रहे।

ई–फार्मेसी के विरोध में सड़क पर उतरे मेडिकल संचालक

ऋषिकेश। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार को मेडिकल स्टोर बंद कर दवा विक्रेताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने हरिद्वार रोड पर जुलूस निकालते हुए दून तिराहे पर मांगों को लेकर नारेबाजी भी की। उनका कहना है कि ऑनलाइन दवा कारोबार से सीधेतौर पर उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से शीघ्र इस मामले में प्रभावी कदम उठाने की मांग की। राष्ट्रव्यापी बंद के समर्थन बुधवार को एसोसिएशन सदस्यों ने भी मेडिकल स्टोर नहीं खोले। नगर क्षेत्र में संचालित 88 में से महज चार स्टोर को ही आपात स्थिति में दवा खरीद के लिए खोला गया। ई–फार्मेसी के संचालन से नाराज सदस्य सुबह हरिद्वार रोड पर जुलूस निकालते हुए दून तिराहे तक पहुंचे। यहां हाथ में बैनर लेकर उन्होंने जमकर नारेबाजी की। एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप मल्होत्रा ने कहा कि ऑनलाइन दवा कारोबार मेडिकल स्टोर संचालकों के लिए परेशानी कस सबब बन गया है। इसका असर सीधे असर मेडिकल स्टोर संचालकों पर आर्थिक रूप से पड़ रहा है। जीविका का हवाला देते हुए उन्होंने बिना चिकित्सक के पर्चे के ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध की मांग दोहराई। कोरोना काल में आपातकालीन प्रावधानों के तहत जारी अधिसूचनाओं को वापस लेने का मुद्दा उठाया। बताया कि बड़े कॉर्पोरेट्स अत्यधिक छूट देकर बाजार का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। उन्होंने इसे छोटे दुकानदारों को खत्म करने की साजिश जैसा बताया। केमिस्ट विनोद कोठारी ने कहा कि वैध पर्चे के बगैर ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से चिंताजनक है। इससे दवाओं के दुरूपयोग का खतरा भी बढ़ गया है। फार्मासिस्ट और मरीज के बीच सीधा संवाद खत्म होने से उन्होंने नकली दवाओं के बाजार में आने की आशंका भी जताई। चेताया कि शीघ्र मांगों को लेकर सरकार ने कार्रवाई नहीं की, तो मेडिकल स्टोर संचालक चरणबद्ध आंदोलन को मजबूर होंगे।

मेजर जनरल के निधन पर शोक सभा आयोजित

उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के गजोली गांव में ग्रामीणों ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए शोक सभा का आयोजन किया। सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान डॉ. राधेश्याम खंडूड़ी ने कहा कि मेजर जनरल ने अपने राजनीतिक जीवन में प्रदेश के विकास और जनता की सेवा को हमेशा प्राथमिकता दी। ग्रामीणों ने उनके योगदान को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कहा कि उनके निधन से उत्तराखंड की राजनीति और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

पूर्व मुख्यमंत्री खंडूड़ी की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

-खड़खड़ी श्मशान घाट में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार, सेना एवं पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर दी अंतिम सलामी

-मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित मंत्रीगण एवं जनप्रतिनिधि हुए शामिल

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (से.नि) को हरिद्वार स्थित खड़खड़ी श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद रहे। मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (से.नि) की अंतिम यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा और हर वर्ग के लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार के दौरान सेना एवं पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें अंतिम सलामी दी। उनके पुत्र मनीष खंडूरी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का निधन राज्य और देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने सेना अधिकारी, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में पारदर्शिता और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट कार्य किए। उन्होंने कहा कि वह हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे। उनकी कमी एक अभिभावक के रूप में हमेशा महसूस होगी। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का जीवन सादगी, अनुशासन और ईमानदारी का उदाहरण रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सेना अधिकारी के रूप में हर दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाया। उनके कार्यों को उत्तराखंड ही नहीं, पूरा देश हमेशा याद रखेगा। सुशासन और लोकपाल जैसे महत्वपूर्ण विचारों को आगे बढ़ाने में उनका योगदान प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र/पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, महामंत्री संगठन अजेय कुमार, सांसद अनिल बलूनी, अजय भट्ट, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत, गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, खजान दास सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

उपराष्ट्रपति ने दी पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूडी को श्रद्धांजलि

देहरादून : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को वसंत विहार, देहरादून में पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति सी.पी राधाकृष्णन ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

संक्षिप्त समाचार

श्रीकोट को जोड़ने वाली सड़क बनी बदहाल

उत्तरकाशी। विकासखंड के ग्राम सभा श्रीकोट को पुरोला–मोरी मुख्य मोटर मार्ग से जोड़ने वाली संपर्क सड़क की बदहाल बनी हुई है। महज तीन किमी की सड़क की हालत में विभाग सुधार नहीं कर पाया है जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि डेढ़ दशक पहले बनी इस सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है। तीन किलोमीटर की दूरी तय करने में भी लोगों को लगभग एक घंटा लग जाता है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे, उबड़–खाबड़ रास्ते और कीचड़ होने से आवाजाही बेहद कठिन हो गई है। बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं क्योंकि सड़क पर अब तक डामरीकरण और नालियों का निर्माण नहीं हो पाया है।सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश खत्री ने बताया कि गांव में करीब 55 परिवार निवास करते हैं और अधिकांश ग्रामीण नकदी व बेमौसमी सब्जी फसलों की खेती पर निर्भर हैं। गांव में सब्जी, राजमा और अन्य नकदी फसलों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है लेकिन सड़क खराब होने के कारण किसान समय पर अपनी उपज बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द सड़क की मरम्मत और डामरीकरण की मांग की है। वहीं सहायक अभियंता पीएमजीएसवाई सुभाष दोरियाल ने बताया कि श्रीकोट सड़क के चार किमी डामरीकरण के लिए शासन से तीन करोड़ 75 लाख रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। वर्तमान में कार्य टेंडर प्रक्रिया में है।

मृतक आश्रित को पीएमजेजेबीवाई राशि का भुगतान किया

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत स्वाड़ी के कांडी गांव की सांवली देवी की मौत होने पर आश्रितों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा की धनराशि प्रदान की गई है। पौखाल एसबीआई शाखा प्रबंधक अंकुश असवाल ने बताया कि बैंक की खाताधारक कांडी गांव निवासी सांवली देवी की कुछ महीने पहले करंट लगने से मौत हो गई। खाताधारक ने 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा कराया था। अचानक उसकी मौत होने पर आश्रित परिजनों को दो लाख रुपये बीमा राशि प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि एसबीआई के सभी खाताधारकों को जीवन ज्योति बीमा कराना चाहिए। जिससे किसी के साथ कभी कोई घटना होने पर संबंधित परिवार को आर्थिक लाभ मिल सके।

कैंप लगाकर बनाई फार्मर रजिस्ट्री आईडी

नई टिहरी। डिजिटल डाटाबेस कार्यक्रम के तहत किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य की गई है जिससे किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड और फसल बीमा आदि योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए जाखणीधार तहसील की ओर से आंद्रेठी गांव में कैंप लगाया गया। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि किसान अपने नजदीकि सीएससी सेंटर में जाकर किसान फार्मर आईडी बना सकते हैं। उन्होंनें कहा कि फार्मर रजिस्ट्री आईडी होने पर ही किसान सम्मान निधि और फसल बीमा आदि का लाभ दिया जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम अंद्रेठी, चंबा ब्लॉक के जाख, बागी और ओडाडा में कैंप लगाकर फार्मर आईडी बनाई गई।

महिलाओं की आर्थिकी मजबूत करने में सहायक होगा फूड कार्टः सीडीओ

नई टिहरी। ग्रामोत्थान परियोजना की पहल पर नंदगांव में संगम स्वायत्त सहकारिता फूड कार्ट का शुभारंभ किया गया। सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने फूड कार्ट का उद्घाटन कर महिलाओं की ओर से संचालित इस सामुदायिक उद्यम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहायक साबित होगी। समूह आधारित आजीविका गतिविधियों से महिलाओं की आय बढ़ने के साथ स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को भी प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने महिलाओं को गुणवत्ता, स्वच्छता और ग्राहकों के विश्वास को प्राथमिकता देते हुए उद्यम संचालन करने की सलाह दी। खंड विकास अधिकारी रोशन लाल ने महिलाओं को उद्यम संचालन, विपणन और आयवृद्धि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए इसे व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर दिग्विजय सिंह, कमली देवी आदि मौजूद रहे।

बाघों की मौत बेहद गंभीर, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाईः वन मंत्री

हरिद्वार। श्यामपुर रेंज में दो बाघों की संदिग्ध मौत के मामले को वन मंत्री सुबोध उनियाल ने गंभीरता से लेते हुए उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। बुधवार को घटनास्थल पहुंचे मंत्री ने अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि जांच में किसी स्तर पर विभागीय लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए। मंत्री ने कहा कि वन्यजीवों के साथ क्रूरता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। श्यामपुर रेंज के सजनपुर बीट स्थित कंपार्टमेंट संख्या–9 में सोमवार शाम गश्त के दौरान वन विभाग की टीम को करीब दो साल के नर बाघ का शव मिला था। वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक वन गुज्जर को गिरफ्तार किया था। इसके अगले दिन उसी क्षेत्र के आसपास एक मादा बाघ का शव भी बरामद हुआ। एक साथ दो बाघों की मौत से वन विभाग में हड़कंप मच गया। जांच में सामने आया कि दोनों बाघों के चारों पैर कटे हुए थे, हालांकि उनकी खाल और दांत सुरक्षित मिले। घटनास्थल के पास एक मृत भैंस का शव भी बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई कि बाघिन ने वन गुज्जरों की भैंस का शिकार किया था। इसके बाद भैंस के शव पर जहरीला पदार्थ छिड़क दिया गया, जिसे खाने से दोनों बाघों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार आरोपी रात के अंधेरे में बाघों की खाल उतारने और दांत निकालने की तैयारी में थे, लेकिन उससे पहले वन विभाग ने दबिश देकर एक आरोपी को पकड़ लिया।

सेब बगानों को नष्ट कर रहे हैं भालू

उत्तरकाशी। गोविंद पशु विहार पार्क क्षेत्र के जखोल न्याय पंचायत अंतर्गत बासनी, सरूका तोक एवं सुनकुंडी क्षेत्र में भालुओं की दहशत लगातार बढ़ रही है। भालुओं ने सेब बगानों में घुसकर पेड़ों और फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है जिससे काश्तकारों की वर्षों की मेहनत बरबाद हो रही है। गोविंद वन्य जीव विहार सुपिन रेंज क्षेत्र के जखोल व सुनकुंडी गांवों के विभिन्न तोकों में भालुओं ने सेब के पेड़ों को बुरी तरह नष्ट कर दिया। स्थानीय काश्तकारों का कहना है कि लगातार हो रहे नुकसान के बावजूद विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। जखोल निवासी किसान रावत ने बताया कि पिछले कई वर्षों से सेब बागानों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ लगाने की मांग की जा रही है। इस संबंध में गोविंद पार्क एवं राजाजी टाइगर रिजर्व अधिकारियों को प्रस्ताव भी भेजे गए लेकिन आज तक वे फाइलों में ही दबे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से बागानों में वॉइस सिस्टम लगाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन वह योजना भी आज तक धरातल पर नहीं उतर सकी। वहीं सुरक्षा के लिए लगाए गए सोलर सिस्टम भी ठेकेदार बाद में उखाड़कर वापस ले गए।

20 साल बाद भी सीवरेज सिस्टम से नहीं जुड़ी पांच बस्तियां

नई टिहरी। सीवरेज सिस्टम से वंचित जिला मुख्यालय के मुस्लिम मोहल्ला के ए,बी, सी सेक्टर, केमसारी टिनशेड, के, एम ब्लॉक और ढुंगीधार बस्तियों का सीवरेज सिस्टम से जुड़ने का मामला फिर से लटका गया है। बस्तियों में रहने वाले लोगों को सीवरेज सिस्टम से जुड़ने में अभी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

बांध विस्थापित शहर नई टिहरी का अधिकांश हिस्सा सीवरेज सिस्टम से जुड़ा है लेकिन शहर की पांच बस्तियां 20 वर्ष बाद भी सीवरेज सिस्टम से नहीं जुड़ पाई है। वर्ष 2005 में पुरानी टिहरी डूबने के बाद प्रशासन ने लोगों नई टिहरी शहर में बसाया। ये सभी बस्तियां निर्माणाधीन होने के कारण उस समय सीवरेज सिस्टम से जुड़ने से वंचित रह गई। गत वर्ष सरकार ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के वित्तीय सहयोग से टिहरी झील की चारों ओर रिंग रोड़ परियोजना निर्माण के अलावा पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 23 सौ करोड़ की धनराशि जारी की। परियोजना में नई टिहरी शहर में सीवरेज सिस्टम से वंचित बस्तियों को जोड़ना शामिल था। इसके लिए शहर में 10 किलोमीटर से अधिक लंबी लाइन बिछाई जानी थी।

साथ ही भागीरथी पुरम में आधुनिक सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर (एसबीआर) टेक्नोलॉजी पर आधारित पांच एमएलडी क्षमता के सीवरेज टैंक का निर्माण किया जाना था। एडीबी ने सीवरेज सिस्टम के निर्माण के लिए करीब 75 करोड़ की धनराशि का प्रस्ताव भी तैयार कर लिया था।

समीक्षा बैठक में शीघ्र निस्तारण निर्देश दिए

रुद्रप्रयाग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने बुधवार को पैनल अधिवक्ताओं और लीगल एड डिफेंस काउंसल सिस्टम के साथ मासिक समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मुख्य लीगल एड डिफेंस काउंसल से लंबित और आवंटित मामलों की जानकारी ली गई। उन्होंने ट्रायल और रिमांड मामलों की समीक्षा भी की। इस दौरान सचिव ने डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसल को न्यायालयों में लंबित मामलों की प्रभावी पैरवी करने, मुख्य काउंसल के साथ बेहतर समन्वय बनाने और मामलों में साक्ष्यों का गहन अध्ययन करने के निर्देश दिए। वहीं सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसल से प्रत्येक सप्ताह जिला कारागार का नियमित निरीक्षण करने और लीगल एड हेल्प डेस्क के माध्यम से बंदियों व उनके परिजनों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने और पात्र आवेदकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

गंगोत्री से आराकोट तक मेडिकल स्टोर रहे बंद

उत्तरकाशी। जिलेभर में बुधवार को गंगोत्री से लेकर आराकोट तक सभी मेडिकल स्टोर पूरी तरह बंद रहे। दवा विक्रेताओं ने ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉरपोरेट छूट प्रणाली के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। केमिस्ट संगठनों ने आरोप लगाया कि बड़े कॉरपोरेट समूह भारी डिस्काउंट देकर दवा बाजार का संतुलन बिगाड़ रहे हैं।

बंद के कारण कई क्षेत्रों में आम लोगों को दवाइयां लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि, आपातकालीन जरूरतों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था रखने का दावा किया गया। दवा विक्रेताओं का कहना है कि बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही ऑनलाइन दवा बिक्री से पारंपरिक मेडिकल स्टोर प्रभावित हो रहे हैं और मरीजों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ रहा है। साथ ही नकली दवाओं के बढ़ते खतरे को भी गंभीर चिंता का विषय बताया गया। उत्तरकाशी जिला केमिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष व संगठन मंत्री माधव प्रसाद जोशी ने कहा कि आंदोलन केवल व्यापारिक हितों के लिए नहीं बल्कि दवा कारोबार और मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री और अनियमित छूट प्रणाली पर सख्त नियंत्रण लगाने की मांग की। विरोध जताने वालों में जिला महामंत्री संजीव चौहान, शैलेंद्र रतूड़ी, अध्यक्ष गंगा यूनिट मनोज भंडारी, नवीन कुड़ियाल, अमित सकलानी, सुरजीत, सुरेश भट्ट, शैलेश अवस्थी आदि शामिल थे।

गंगोत्री यात्रा रूट पर नदी में फेंका जा रहा होटलों और ढाबों का कूड़ा

उत्तरकाशी। गंगोत्री यात्रा मार्ग पर उचित कूड़ा प्रबंधन की कमी है जिससे होटलों और मार्ग का कई टन कूड़ा सीधा भागीरथी नदी में जा रहा है। यह स्थिति नदी और आसपास के जंगलों की जैव विविधता को प्रभावित कर रही है। चारधाम यात्रा में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे यात्रा रूटों पर कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था चरमरा गई है। प्रशासन द्वारा नियुक्त विभागों की लापरवाही से पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। गंगोरी में नदी किनारे बने होटलों से कूड़ा सीधा भागीरथी में गिर रहा है। इसमें प्लास्टिक की मात्रा सबसे अधिक है। पानी की बोतलों सहित जैविक और अजैविक कूड़ा नदी के पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ रहा है। नेताला, बड़ेथी, भटवाड़ी और गंगनानी जैसे क्षेत्रों में भी यही समस्या है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कूड़ा बढ़ने की शिकायतें स्वीकार की हैं। उन्होंने जल्द ही संबंधित विभागों को बुलाकर स्वच्छता अभियान चलाने का आश्वासन दिया है।

सिलक्यारा टनल परियोजना से मोटर चोर गिरफ्तार

उत्तरकाशी। सिलक्यारा टनल परियोजना में निर्माण कार्य कर रही कंपनी नवयुगा इंजीनियरिंग लिमिटेड से इलेक्ट्रॉनिक मोटर चोरी होने का मामला सामने आया है। महत्वपूर्ण परियोजना से जुड़े मामले में बड़कोट पुलिस ने बेहद तेजी दिखाते हुए महज 6–7 घंटे के भीतर चोरी का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी हुई इलेक्ट्रॉनिक मोटर भी बरामद कर ली है। बीते 19 मई को सिलक्यारा टनल निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली इलेक्ट्रॉनिक मोटर चोरी होने की सूचना कम्पनी प्रबंधन की ओर से कोतवाली बड़कोट में दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सिलक्यारा टनल परियोजना राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं में शामिल है। ऐसे में परियोजना स्थल से उपकरण चोरी की घटना को पुलिस ने गंभीरता से लिया। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी कमलेश उपाध्याय के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई।

लोनिवि की लापरवाही से गणेशपुर गांव में घराट बंद

उत्तरकाशी।भटवाड़ी विकासखंड के गणेशपुर गांव में लोनिवि की लापरवाही के चलते वर्षों पुराना पारंपरिक घराट बंद पड़ा है। ग्रामीणों ने कहा की सड़क निर्माण कार्य के दौरान विभाग ने नहर में मलबा डालकर क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे घराट तक पानी पहुंचना पूरी तरह बंद हो गया। उन्होंने प्रशासन और लोनिवि से जल्द नहर की मरम्मत कर घराट को दोबारा संचालित करने की मांग की।

गणेशपुर के कमलाराम बधानी ने बताया कि सड़क निर्माण और अन्य कार्यों के दौरान घराट तक पानी पहुंचाने वाली नहर क्षतिग्रस्त हो गई थी लेकिन लंबे समय बीतने के बाद भी विभाग की ओर से इसकी सुध नहीं ली गई। नहर बंद होने से घराट का संचालन पूरी तरह ठप पड़ा है। घराट गांव की पारंपरिक व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा था।

पहले आसपास के गांवों के लोग आटा पिसवाने आते थे लेकिन अब उन्हें कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। लोनिवि के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने प्रशासन और लोनिवि से जल्द नहर की मरम्मत कर घराट को पुनः संचालित करने की मांग की है। वहीं, भटवाड़ी लोनिवि के अधिशासी अभियंता नवीन लाल ने बताया कि मेरे संज्ञान में यह पुराना मामला नहीं है। मामले में अधिकारियों को भेजकर मौके का मुआयना करवाया जाएगा। साथ ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय शोक के चलते अस्पतालों में ओपीडी बंद, मरीज हुए परेशान

हरिद्वार। पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी के निधन पर घोषित राजकीय शोक के चलते जिले के सभी सरकारी संस्थान बंद रहे। इसका असर सरकारी अस्पतालों की ओपीडी सेवाओं पर भी पड़ा। ओपीडी बंद होने के कारण इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और कई मरीज बिना उपचार कराए ही लौट गए। ज्वालापुर से आईं बुजुर्ग महिला राजरानी ने बताया कि उनका इलाज मेला अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ से चल रहा है। वह अपनी एक्स–रे रिपोर्ट लेकर अस्पताल पहुंची थीं, लेकिन वहां ओपीडी बंद मिली। उन्होंने कहा कि काफी उम्मीद के साथ अस्पताल आई थीं, लेकिन बिना इलाज वापस जाना पड़ रहा है। श्यामपुर निवासी राहुल ने बताया कि उनकी पत्नी के पैरों में लंबे समय से दिक्कत है। वह उन्हें दिखाने सरकारी अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि राजकीय शोक के कारण ओपीडी सेवाएं बंद हैं।

यमुनोत्री धाम में घाट पर जोखिम के साथ स्नान कर रहे श्रद्धालु

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या के बीच मूलभूत व्यवस्थाओं की कमी श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। धाम में यमुना तट पर श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित रूप से खड़े होकर स्नान करने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। सुरक्षित घाट के अभाव में श्रद्धालु पत्थरों और बोल्डरों के बीच जोखिम भरे तरीके से यमुना में डुबकी लगाने को मजबूर हैं। वहीं पर्याप्त चेंजिंग रूम नहीं होने से भी यात्रियों को समस्या हो रही है। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरूषोत्तम उनियाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप उनियाल,पंच पड़ा समिति के सचिव गिरीश उनियाल, पंच पड़ा समिति के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन उनियाल आदि ने धाम क्षेत्र से कूड़ा हटाने, श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित स्नान घाट विकसित करने और पर्याप्त चेंजिंग रूम की व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

स्योरी मोटर मार्ग पर हाईटेंशन तारों से खतरा

उत्तरकाशी। मोटर मार्ग के आठ किमी पर झूलते हाईटेंशन विद्युत तार दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। स्थानीय लोग इन तारों को तुरंत शिफ्ट करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, ऊर्जा निगम और लोनिवि इस मुद्दे पर एक–दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। बीते बारिश में मोटर मार्ग के आठ किमी पर भू–धंसाव हुआ था। इससे सड़क धंस गई थी जिससे विद्युत पोल भी तिरछा हो गया था। लोनिवि ने बड़े वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए सड़क को करीब डेढ़ मीटर ऊंचा किया। अब ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तारों के वाहनों से टकराने का डर बना हुआ है। मटियाली की प्रधान सुभद्रा राणा और संजय रावत का कहना है कि सेब सीजन में फसल ढुलान के लिए बड़े वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है। यदि समय रहते लाइन शिफ्ट नहीं हुई तो बड़ी घटना हो सकती है। विद्युत तारों में दौड़ रहे करंट से कभी भी कोई बड़ा वाहन हादसे का शिकार हो सकता है। विभागों के बीच आरोप–प्रत्यारोपः ऊर्जा निगम बड़कोट के एसडीओ अजय सेमवाल ने लोनिवि पर कार्य से पहले स्थिति न देखने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि ऊर्जा निगम ने लोनिवि को शिफ्टिंग चार्ज का प्राक्कलन भेजा है। सेमवाल के अनुसार, जब तक शिफ्टिंग चार्ज का पैसा नहीं मिलता, लाइन हटाना संभव नहीं है। उधर, लोनिवि बड़कोट के सहायक अभियंता ध्वजवीर तोमर ने ऊर्जा निगम से लाइन शिफ्ट करने का अनुरोध किया था। उन्होंने डेढ़ लाख रुपये के शिफ्टिंग चार्ज के प्राक्कलन को अनुचित बताया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

ओपनएआई के खिलाफ एलन मस्क की बड़ी हार, कोर्ट ने खारिज किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क को अमेरिकी फेडरल कोर्ट से एक बहुत बड़ा झटका लगा है। कैलिफोर्निया के ऑकलैंड की एक संघीय अदालत ने मस्क द्वारा एआई कंपनी ओपनएआई और उसके शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ दायर किए गए बड़े मुकदमे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। मस्क ने अदालत में आरोप लगाया था कि चैटजीपीटी बनाने वाली इस कंपनी ने मानवता की भलाई के लिए काम करने के अपने मूल उद्देश्य को धोखा दिया है और अब यह केवल पैसा कमाने वाली कंपनी बन गई है। नौ सदस्यों वाली जूरी ने तीन सप्ताह तक चले इस लंबे ट्रायल के बाद अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया। जूरी ने दो घंटे से भी कम समय तक विचार करने के बाद अदालत को बताया कि मस्क ने यह मुकदमा दायर करने में बहुत ज्यादा देर कर दी है और उन्होंने कानूनी समय सीमा (स्टैच्यूटरी डेडलाइन) को पार कर लिया है। जज यवोन गोंजालेज रोजर्स ने सोमवार को जूरी के इस फैसले को अदालत के अंतिम फैसले के रूप में स्वीकार कर लिया और मस्क के दावों को खारिज कर दिया। हालांकि, मस्क के वकील स्टीवन मोलो ने स्पष्ट किया है कि यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने इस हार की तुलना अमेरिकी इतिहास की पुरानी जंगों से की और कहा कि वे इस फैसले के खिलाफ अदालत में अपील जरूर करेंगे।

गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अदालत ने हटाए सभी आरोप, मामला स्थायी रूप से किया बंद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से हटा दिया है। इसके साथ ही न्यूयॉर्क में चल रहा बहुचर्चित रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोपों का मामला पूरी तरह से बंद हो गया है। इस फैसले के बाद अदाणी समूह से जुड़ी कई अमेरिकी नियामक और कानूनी जांचें बंद हो गई हैं। पिछले सप्ताह अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने भारत में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के संबंध में निवेशकों को किए गए खुलासों से जुड़े गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ आरोपों का निपटारा किया। अदालत में दायर दस्तावेजों से पता चला कि गौतम अदाणी ने 60 लाख अमेरिकी डॉलर और सागर अदाणी ने 120 लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई, बिना किसी भी तरह की गलती स्वीकार किए या इनकार किए।

23 वर्षीय तुषार कुमार ने रचा इतिहास, ब्रिटेन में सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर बने; मिली बोरेहमवुड की कमान

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के 23 वर्षीय तुषार कुमार ने ब्रिटेन में इतिहास रच दिया है। उन्हें आधिकारिक तौर पर एल्सट्री और बोरेहमवुड का मेयर नियुक्त किया गया है। वह ब्रिटेन के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के व्यक्ति बन गए हैं। 13 मई को बोरेहमवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित एक समारोह में उनकी नियुक्ति की पुष्टि हुई। तुषार कुमार ने लंदन के किंग्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की है। मेयर की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह डिप्टी मेयर के रूप में काम कर रहे थे। वह लंबे समय से बोरेहमवुड में स्थानीय नागरिक और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। इस बड़ी उपलब्धि पर तुषार कुमार ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे एक बड़ा सम्मान बताया। तुषार ने कहा कि किंग्स कॉलेज में राजनीति विज्ञान पढ़ने से लेकर अपने पसंदीदा शहर का मेयर बनने तक का यह सफर उनके लिए किसी सपने जैसा है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में मिले समर्थन के लिए सभी का आभार जताया। इसी दौरान तुषार ने निवर्तमान मेयर डैन ओजारो को उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि डिप्टी मेयर रहते हुए उन्हें डैन से बहुत कुछ सीखने को मिला। डैन ने पिछले एक साल में शहर की सेवा में जो योगदान दिया, तुषार ने उसकी भी सराहना की। आगामी नागरिक वर्ष के लिए लिंडा स्मिथ को नया डिप्टी मेयर नियुक्त किया गया है। मेयर के रूप में तुषार कुमार का मुख्य लक्ष्य समुदाय के बीच अपनी मौजूदगी बढ़ाना है। वह स्थानीय चैरिटी संस्थाओं और संगठनों की मदद करना चाहते हैं। इसके साथ ही वह चाहते हैं कि अधिक से अधिक युवा सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक जीवन में हिस्सा लें। तुषार ने संकल्प लिया कि वह समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को सुलझाने और युवाओं को प्रेरित करने का काम करेंगे।

अमेरिका की सैन डिएगो मस्जिद में गोलीबारी, पांच की मौत : इनमें एक गार्ड और दो संदिग्ध

सैन डिएगो, एजेंसी। अमेरिका के सैन डिएगो स्थित मस्जिद में सोमवार को गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक सिक्योरिटी गार्ड और दो संदिग्ध शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों संदिग्ध किशोर थे। एक की उम्र 17 साल और दूसरे की 19 साल थी। दोनों के शव मस्जिद के पास एक वाहन में मिले। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि उन्होंने खुद को गोली मारी।

इस मामले की जांच हेट क्राइम के एंगल से की जा रही है। हालांकि, हमले के पीछे की वजह पर फिलहाल ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। यह हमला इस्लामिक सेंटर ऑफ सैन डिएगो में हुआ। यह सैन डिएगो काउंटी की सबसे बड़ी मस्जिद है। परिसर में एक स्कूल भी है, जहां बच्चों को अरबी भाषा, इस्लामिक स्टडीज और कुरान की शिक्षा दी जाती है।

मस्जिद के बाहर मृत मिले तीन लोग : पुलिस : सैन डिएगो के पुलिस प्रमुख स्कॉट वाहल ने बताया कि मस्जिद में सक्रिय हमलावर की पहली सूचना सुबह 11:43 बजे मिली थी। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी चार मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस को इस्लामिक सेंटर के बाहर तीन मृत व्यक्ति मिले। एफबीआई ने बताया कि तीनों पीड़ित वयस्क पुरुष थे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति परिसर में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत था। इसी दौरान पुलिस को पास में ही गोलीबारी की सूचना मिली। वाहल ने बताया कि अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, जो कुछ ही ब्लॉक दूर था, जहां उन्हें एक माली मिला जिस पर गोली चलाई गई थी, लेकिन उसे गोली नहीं लगी थी।

गोलीबारी की जांच जारी : इसके बाद पुलिस ने दो संदिग्धों का पता लगाया, जो एक वाहन में मृत पाए गए। एफबीआई के अनुसार, दोनों किशोर थे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि उनकी मौत खुद को गोली मारने से हुई है। गोलीबारी की घटना से जुड़े हालात और इसके पीछे का मकसद अभी भी जांच के दायरे में है।

एफबीआई स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद कर रही है। वाहल ने कहा कि चूंकि तीनों पीड़ित एक स्थानीय मस्जिद में थे, इसलिए जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि यह घृणा अपराध नहीं है, हम इसे घृणा अपराध मान रहे हैं। गैर-मुस्लिमों का दौरा चल रहा था मस्जिद के इमाम ताहा हस्साने ने बताया कि सोमवार को कुछ गैर-मुस्लिम लोग इस्लाम को समझने के लिए मस्जिद के दौरे पर आए थे। यह सेंटर अलग-अलग समुदायों के बीच संवाद और मेलजोल बढ़ाने के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी शिक्षक और छात्र सुरक्षित हैं। फिलहाल कोई खतरा नहीं है, लेकिन लोगों से मस्जिद से दूर रहने को कहा गया है। एहतियात के तौर पर सेंटर को पूरे दिन के लिए बंद कर दिया गया। मस्जिद की वेबसाइट के मुताबिक, यहां सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए धार्मिक गतिविधियां नहीं होतीं, बल्कि सामाजिक कामों में भी दूसरे समुदायों के साथ मिलकर काम किया जाता है। यहां रोज पांच वक्त की नमाज होती है।

गवर्नर बोले- कैलिफोर्निया मुस्लिम समुदाय के साथ है : कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मुस्लिम समुदाय से कहा कि कैलिफोर्निया आपके साथ खड़ा है। जहां परिवार और बच्चे जुटते हैं, जहां लोग शांति से इबादत करते हैं, वहां ऐसा हमला बेहद भयावह है। कैलिफोर्निया में नफरत की कोई जगह नहीं है।' उन्होंने बताया कि कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल और गवर्नर ऑफिस ऑफ इमरजेंसी सर्विसेज की टीमें मौके पर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर रही हैं।

शूटिंग के बाद खुद को मारा : जानकारी के मुताबिक पुलिस को जैसे ही एक्टिव शूटर की खबर मिली, वे 4 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंच गए। लेकिन तब तक मस्जिद के बाहर तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। वहीं मस्जिद में तबाही मचाने के बाद हमलावर वहां से भाग निकले। रास्ते में उन्होंने एक और शख्स पर गोली चलाई और फिर दोनों शूटरों ने अपनी कार में खुद को गोली मार ली। पुलिस चीफ ने बताया कि पुलिस की तरफ से कोई गोली नहीं चलाई गई थी, यह पूरी तरह आत्मघाती हमला था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 17 वर्षीय शूटर की मां ने हमले से ठीक दो घंटे पहले पुलिस को फोन किया था। मां ने घबराते हुए पुलिस को बताया था कि उनका बेटा 'सुसाइडल' है और घर से हथियार लेकर भागा है। इसके बाद जिस स्कूल में वह पढ़ता था, वहां पुलिस तैनात की गई। हालांकि तब तक शूटर मस्जिद की तरफ निकल चुके थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले पर प्रतिक्रिया दी है। वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे एक डरावनी स्थिति बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह एक बेहद भयानक स्थिति है। मुझे इस पर शुरुआती अपडेट्स मिले हैं, लेकिन हम इस पूरे मामले को बहुत गंभीरता से देखने वाले हैं।

'इस बार खाड़ी देशों की अपील पर रुके': ट्रंप ने टाला ईरान पर हमला, कहा- समझौता करो वरना हमले के लिए तैयार रहो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर होने वाले एक बड़े सैन्य हमले को फिलहाल के लिए टाल दिया है। यह हमला मंगलवार के लिए तय किया गया था, लेकिन आखिरी वक्त में खाड़ी देशों के सहयोगी नेताओं की अपील के बाद इसे रोक दिया गया है।

सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी दोनों पक्षों के बीच गंभीर बातचीत चल रही है, इसलिए उन्होंने मंगलवार को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले को रोक दिया है। इससे पहले उन्होंने ईरान को खुली चेतावनी दी थी कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो कमजोर पड़ चुके युद्धविराम के बाद फिर से भीषण लड़ाई शुरू हो जाएगी।

ट्रंप ने अमेरिकी सेना को क्या सख्त निर्देश दिए थे : इस योजनाबद्ध हमले के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं दी गई, लेकिन राष्ट्रपति ने साफ कहा कि उन्होंने अपनी सेना को पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने सैन्य अधिकारियों को निर्देश दिया था कि अगर ईरान के साथ कोई स्वीकार करने लायक समझौता नहीं होता है, तो पल भर के नोटिस पर ईरान पर पूरी ताकत के साथ एक बड़ा हमला करने के लिए तैयार रहें। यह बयान दिखाता है कि अमेरिका पूरी तरह से हमले के मूड में था। ईरान पर हमले का प्लान अचानक क्यों रोका गया? इससे पहले यह किसी को नहीं पता था कि 19 मई (मंगलवार) को ईरान पर हमले की कोई योजना है। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उन्होंने यह हमला मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) के अपने सहयोगी देशों की खास गुजारिश पर रोका है। इन सहयोगी देशों में कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बड़े नेता शामिल हैं। इन्हीं देशों के कहने पर फिलहाल हमले का इरादा टाल दिया गया है।

ट्रंप ने सप्ताहांत पर ईरान को क्या खुली चेतावनी दी थी : हमला टालने से ठीक पहले सप्ताहांत (वीकेंड) पर अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को बहुत ही कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि ईरान के लिए अब समय बहुत तेजी से खत्म हो रहा है। उन्होंने साफ कहा था कि ईरान को जल्दी से जल्दी कोई कदम उठाना चाहिए, वरना उनका नामोनिशान मिट जाएगा और वहां कुछ भी नहीं बचेगा। वे हफ्तों से धमकी दे रहे हैं कि अप्रैल के मध्य में हुआ युद्धविराम कभी भी खत्म हो सकता है।

मीडिया पर भड़के ट्रंप: ईरान युद्ध कवरेज को लेकर जताई नाराजगी, कहा-पागलपन भरी रिपोर्टिंग से देश को हुआ नुकसान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर मीडिया आउटलेट्स पर हमला बोला है। उन्होंने ईरान के साथ जारी संघर्ष से जुड़ी रिपोर्टिंग को लेकर मुख्यधारा के मीडिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रंप ने सीधे तौर पर कहा है कि कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थान ईरान युद्ध को लेकर पूरी तरह से गलत, पक्षपातपूर्ण और भ्रामक तरीके से खबरें प्रसारित कर रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मान लेते हैं कि ईरान पूरी तरह आत्मसमर्पण कर देता है। वह मान लेता है कि उसकी नौसेना खत्म हो चुकी है और समुद्र की तलहटी में डूब गई है। उसकी वायुसेना का नामोनिशान मिट चुका है। ईरान की पूरी सेना तेहरान से बाहर आ जाती है। वे अपने हथियार डाल देते हैं और हाथ ऊपर उठा लेते हैं। हर एक सैनिक सफेद झंडा लहराते हुए जोर-जोर से चिल्लाता है कि 'मैं सरेंडर करता हूं।' ईरान का बचा हुआ पूरा नेतृत्व आत्मसमर्पण के जरूरी दस्तावेजों पर दस्तखत कर देता है। वे महान और शक्तिशाली अमेरिका के सामने अपनी घुटने टेकने वाली हार स्वीकार कर लेते हैं।

ट्रंप ने आगे लिखा कि इसके बावजूद यह फेक न्यूज मीडिया देश को सच नहीं दिखाएगा। 'द फेलिंग न्यूयॉर्क टाइम्स', 'द चाइना स्ट्रीट जर्नल' और 'सीएनएन' जैसी संस्थाएं कुछ और ही खबर चलाएंगी। ये सब मिलकर अपने अखबारों और चैनलों पर यही बड़ी हेडलाइन लगाएंगे कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर जीत हासिल की है। ये मीडिया संस्थान दिखाएंगे कि यह मुकाबला दूर-दूर तक बराबरी का नहीं था। ट्रंप ने कहा कि फेक मीडिया पूरी तरह अपना रास्ता भूल चुके हैं और सचमुच बिल्कुल पागल हो गए हैं। राष्ट्रपति ने अपने बयान में एक और बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया की इन भ्रामक रिपोर्ट्स से दुश्मन देशों, विशेषकर ईरान को 'गलत संदेश' मिलता है।

केन्या में ईंधन कीमतों के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन, चार लोगों की मौत; दर्जनों घायल

नैरोबी , एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में रिकॉर्ड ईंधन कीमतों के विरोध में राष्ट्रव्यापी सार्वजनिक परिवहन हड़ताल के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इन झड़पों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। आंतरिक मंत्री किपचूंबा मुरकोमेन ने बताया कि चार लोगों की मौत हुई है और 30 से अधिक घायल हुए हैं। हालांकि, उन्होंने मौतों के कारणों का खुलासा नहीं किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नैरोबी में पुलिस ने गोलीबारी की। मंत्री ने यह भी कहा कि 348 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें हिंसक अवैध विरोध प्रदर्शनों में उनकी संलिप्तता के लिए आरोपित किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों पर टायर जलाए और कम से कम दो

वाहनों में आग लगा दी। इस कारण कई उपनगरों में यात्रियों को परेशानी हुई और शहर का केंद्र सुनसान रहा। शुक्रवार को केन्या में ईंधन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। डीजल की कीमतों में 23.5% और गैसोलीन में 8% की वृद्धि हुई। सरकार ने पिछली मूल्य वृद्धि का कारण ईरान युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति पर इसके प्रभाव को बताया था, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए करों में कटौती की थी। राष्ट्रपति विलियम रूटो, जो देश से बाहर हैं, ने नई मूल्य वृद्धि या विरोध प्रदर्शनों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। केन्या नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि बढ़ी हुई कीमतों से सभी वस्तुओं और सेवाओं पर असर पड़ेगा। चैंबर ने यह भी नोट किया कि अप्रैल से मई तक केन्या में मूल्य वृद्धि वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक थी, जो 'घरेलू लागत निर्माण की निरंतर भूमिका' की ओर इशारा करती है। भ्रष्टाचार के आरोपों में अक्टूबर 2024 में महाभियोग के बाद विपक्ष में शामिल हुए पूर्व उप-राष्ट्रपति रिगाथी गैचागुआ ने कीमतों में तेज वृद्धि के लिए भ्रष्ट व्यापारियों को जिम्मेदार ठहराया, जो अपने लाभ मार्जिन को बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने केन्या की ईंधन कीमतों की तुलना पड़ोसी युगांडा जैसे देशों से की, जहां कीमतें कम हैं और जो आयात के लिए केन्याई बंदरगाहों पर निर्भर हैं।

348 लोगों को किया गया गिरफ्तार : गृह मंत्री किपचुम्बा मुरकोमेन ने यह भी बताया कि 348 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन पर 'हिंसक और गैर-कानूनी' विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने का आरोप लगाया जाएगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन चार लोगों की मौत कैसे हुई, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नैरोबी में पुलिस ने गोलियां चलाई थीं।

'मोजतबा खामेनेई को चोटें आई थीं मगर...' अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के युद्ध में घायल होने की पुष्टि कर दी है। सीनियर ईरानी अधिकारी ने बताया कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमलों के दौरान खामेनेई को मामूली चोटें आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि कोई गंभीर बात नहीं हुई थी और मोजतबा खामेनेई अब सुरक्षित हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले कई हफ्तों से उनकी सेहत को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कोई कह रहा था कि मोजतबा खामेनेई का चेहरा जल गया है तो किसी का कहना था कि उन्हें बेहद गंभीर चोटें आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी के अंत में शुरू हुए ईरान-इजरायल और अमेरिका के

बीच संघर्ष के शुरुआती हमलों में ईरान के कई शीर्ष सैन्य और राजनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इन्हीं हमलों में ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिसके बाद मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता चुना गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि हमले में मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हुए थे और उन्हें पैर व चेहरे पर चोटें आई थीं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने इन दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई अफवाह बताया है।

मोजतबा खामेनेई को लेकर तरह-तरह की अटकलें : बीते दिनों सोशल मीडिया और कई विदेशी मीडिया संस्थानों में यह चर्चा भी तेज थी कि मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से सामने क्यों नहीं आ रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में यहां तक दावा किया गया कि उनकी हालत बेहद गंभीर है और वह इलाज करा रहे हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने लगातार यह कहा कि सुरक्षा कारणों से उनकी सार्वजनिक मौजूदगी सीमित रखी गई है। हाल में एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट की वजह से उन्हें हल्की चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और सरकारी कामकाज पर नजर बनाए हुए हैं।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच मोजतबा खामेनेई की स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी बनी हुई है। युद्ध के बाद से ईरान की सत्ता संरचना और सैन्य रणनीति में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। विश्लेषकों का मानना है कि मोजतबा खामेनेई की सेहत और उनकी सार्वजनिक मौजूदगी आने वाले समय में ईरान की राजनीति और क्षेत्रीय समीकरणों पर असर डाल सकती है। फिलहाल ईरानी प्रशासन ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि उनके सर्वोच्च नेता सुरक्षित हैं और देश की कमान संभाल रहे हैं।

शांति की उम्मीदें खत्म: यूक्रेन पर रूसी ड्रोन-मिसाइलों की चौतरफा मार, ट्रंप की सारी कोशिशें नाकाम

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूसी सेना ने यूक्रेन के आठ राज्यों को निशाना बनाकर रातभर भीषण ड्रोन और मिसाइल हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को बताया कि इस ताजा हवाई हमले में रूस ने 524 विनाशकारी ड्रोन और 22 बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइलें दागीं। इस भारी गोलाबारी में 24 से अधिक नागरिक घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मध्य यूक्रेन का निप्रो शहर और उसके आसपास का इलाका इस हमले से सबसे ज्यादा दहला है। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों से संघर्षविराम की अपील की थी। ट्रंप ने जेलेंस्की और पुतिन से युद्ध रोकने को कहा था, लेकिन इसका कोई असर नहीं दिखा। अमेरिकी प्रयासों के बावजूद शांति समझौते के कोई संकेत नहीं हैं। पिछले सप्ताह भी रूस ने कीव में एक बहुमंजिला इमारत को मलबे में तब्दील कर दिया था, जहां 24 लोगों की मौत हो गई थी।

यूक्रेन ने रूस के आर्थिक ठिकानों को बनाया निशाना : युद्ध के चार साल से अधिक समय में यूक्रेन ने अपनी लंबी दूरी की मारक क्षमता को काफी मजबूत किया है। यूक्रेन अब रूस के तेल ठिकानों और अंदरूनी हिस्सों को निशाना बना रहा है। रविवार को यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। इसमें मॉस्को के पास तीन लोगों सहित कुल चार लोग मारे गए। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने 24 घंटों में 1,000 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए या जाम किए, जिनमें से 80 मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे।

इसी बीच, यूक्रेन के रक्षा मंत्री मायखाइलो फेडोरोव ने एक बड़ा एलान किया है। यूक्रेन ने अपना पहला स्वदेशी ग्लाइड बम विकसित कर लिया है। इस बम में 250 किलोग्राम का वॉरहेड लगा है। यह अग्रिम मोर्चे से दर्जनों किलोमीटर पीछे बने बंकरों और कमांड पोस्ट को नष्ट करने में सक्षम है। यूक्रेनी पायलट इस समय युद्ध की वास्तविक स्थितियों में इसका प्रशिक्षण ले रहे हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का मानना है कि उनकी लंबी दूरी की मारक क्षमता ने युद्ध की पूरी तस्वीर बदल दी है। दुनिया का नजरिया भी अब बदल रहा है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उन्होंने यूक्रेन के हथियार कारखानों, ऊर्जा केंद्रों और बंदरगाहों पर सटीक मिसाइल हमले किए हैं और उनके सभी लक्ष्य पूरे हुए हैं। इन लगातार हमलों से यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली पर भारी दबाव है। इस तनाव के बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह बीजिंग में चीनी नेता शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। लेकिन इस दौरे से ठीक पहले, यूक्रेन की नौसेना ने दावा किया है कि ओडेसा के पास ब्लैक सी में एक रूसी ड्रोन ने चीन के स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज को निशाना बनाया है।

इस्लामपुरा होगा कृष्ण नगर, मुस्तफाबाद बनेगा धर्मपुरा, पाकिस्तान में बदलेंगे सड़कों के नाम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर की कई सड़कों और गलियों के आजादी से पहले के नाम को बहाल करने की योजना को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसका उद्देश्य शहर की विभाजन-पूर्व विरासत को पुनर्जीवित करना है। पिछले कुछ दशकों में लाहौर की कई ऐतिहासिक सड़कों और गलियों के नाम बदल दिए गए। इसके तहत ब्रिटिशकालीन और हिंदू धर्म से जुड़े नामों को बदलकर इस्लामी, पाकिस्तानी या स्थानीय हस्तियों से जुड़े नये नाम रखे गए।

कैबिनेट बैठक में दी गई मंजूरी : पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री मरियम नवाज की अध्यक्षता में हुई पंजाब कैबिनेट की बैठक में लाहौर और उसके आसपास के इलाकों की विभिन्न सड़कों और गलियों के मूल और ऐतिहासिक नामों को बहाल करने की योजना को मंजूरी दी गई थी।' उन्होंने कहा कि यह निर्णय इस ऐतिहासिक शहर की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए लिया गया है।

नवाज शरीफ कर रहे हैं अगुवाई : उन्होंने बताया कि इस पहल का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ कर रहे हैं, जो लाहौर विरासत क्षेत्र पुनरुद्धार परियोजना के प्रमुख भी हैं। उनके प्रस्ताव को पिछले सप्ताह कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी।

इन ऐतिहासिक स्थानों का नाम बदला गया था : लाहौर की ऐतिहासिक गलियों और सड़कों का नाम पिछली सरकारों ने बदल दिया गया था, जिनमें क्वींस रोड, जेल रोड, डेविस रोड, लॉरेंस रोड, एम्प्रेस रोड, कृष्ण नगर, संत नगर, धरमपुरा, ब्रैंडरेथ रोड, राम गली, टेम्पबेल स्ट्रीट, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर रोड, कुम्हारपुरा, मोहन लाल बाजार, सुंदर दास रोड, भगवान पुरा, शांति नगर और आउटफॉल रोड शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पहल के

तहत इस्लामपुरा का नाम कृष्ण नगर, बाबरी मस्जिद चौक को जैन मंदिर चौक, मुस्तफाबाद को धर्मपुरा बनाया गया है। शरीफ ने मिंटो पार्क (ग्रेटर इकबाल पार्क) में तीन क्रिकेट मैदानों और एक पारंपरिक 'अखाड़ा' (कुश्ती अखाड़ा) के जीर्णोद्धार का भी प्रस्ताव रखा है, जिसे व्यापक रूप से नुकसान की भरपाई की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। उनके भाई प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को 2015 में पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शहरी विकास कार्यक्रम के तहत तीन ऐतिहासिक क्रिकेट मैदानों, क्रिकेट क्लबों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों और एक कुश्ती अखाड़े को ध्वस्त करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

क्यों ऐतिहासिक है मिंटो पार्क : पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक जैसे कई क्रिकेटरों ने मिंटो पार्क के इन क्रिकेट क्लबों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। विभाजन से पहले भारतीय क्रिकेटर लाला अमरनाथ भी इन क्लबों में प्रशिक्षण लेने जाते थे। जब अमरनाथ 1978 में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ लाहौर गए, तो वह मिंटो पार्क गए और 'क्रिसेंट क्रिकेट क्लब' के खिलाड़ियों के साथ समय बिताया। वह देश के विभाजन तक इसी क्लब से खेलते थे। मिंटो पार्क में ध्वस्त हो चुके कुश्ती के अखाड़े में कभी गूंगा पहलवान, इमाम बख्श और गामा पहलवान जैसे दिग्गज पहलवानों के मुकाबले होते थे। विभाजन से पहले हिंदू मिंटो पार्क में दशहरा का त्योहार मनाते थे।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी – अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को फ़भारत का मिनी इज़राइलफ़ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

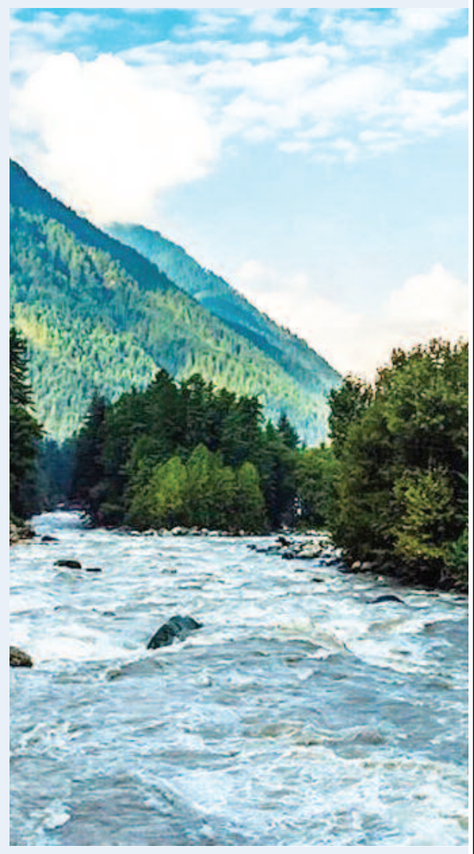

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर: मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग: दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	न्यूजीलैंड	3	2	0	1	28	77.78
3	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
4	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
5	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
6	भारत	9	4	4	1	52	48.15
7	इंग्लैंड	10	3	6	1	38	31.67
8	पाकिस्तान	4	1	3	0	4	8.33
9	वेस्टइंडीज	8	0	7	1	4	4.17

हारा पाकिस्तान, पर नुकसान भारत को हुआ

टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश ने किया पाक का सूपड़ा साफ

सिलहट (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। सिलहट टेस्ट में 78 रन की जीत के साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया। हालांकि इस नतीजे का असर भारत पर पड़ा, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, जबकि भारत को नुकसान झेलना पड़ा।

ताइजुल इस्लाम बने जीत के हीरो - बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर ताइजुल इस्लाम रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ताइजुल ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और अहम मौकों पर विकेट निकाले।

पाकिस्तान की लगातार चौथी हार - यह पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी टेस्ट हार रही। इस हार के साथ ही शान मसूद की कप्तानी पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। टीम का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने का सपना भी इस हार से बड़ा झटका लगा है।

मुश्फिकुर और लिटन दास ने रखा जीत की नींव - पहली पारी में बांग्लादेश 278 रन पर ऑलआउट हुआ था, जिसमें लिटन दास ने 126 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में पाकिस्तान की टीम 232 रन ही बना सकी।

बाबर आजम ने 68 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। दूसरी पारी में बांग्लादेश ने मैच पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया। अनुभवी बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने 137 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि लिटन दास ने 69 रन बनाए। बांग्लादेश ने 390 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 437 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा।

बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप की

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने आखिरी दिन संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम रिकॉर्ड रन चेज पूरा करने में नाकाम रही।मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालते हुए शानदार 94 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को ऐतिहासिक जीत नहीं दिला सके। रिजवान के आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गईं और बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया।

मैच का परिणाम

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराया
- बांग्लादेशः 278 और 390
- पाकिस्तानः 232 और 358
- बांग्लादेश ने सीरीज 2-0 से जीती

रिजवान ने दिखाई लड़ाई, लेकिन नहीं मिला साथ

437 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने पांचवें दिन 316/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुरुआत में रिजवान को जीवनदान भी मिला, जब मेहदी हसन मिराज ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद रिजवान और साजिद खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। साजिद खान 28 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद रिजवान अकेले लड़ते रहे, लेकिन शोरीफुल इस्लाम की गेंद पर आउट होकर शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रन बनाए। आखिर में ताइजुल ने खुर्रम शहजाद का विकेट लेकर बांग्लादेश को 78 रन की शानदार जीत दिलाई।

अनिल कुंबले ने माना

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं वैभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं।

इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल हैं।

इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की। कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'उन्होंने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं। एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 59

छक्के लगाए हैं। मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने दिग्वेश राठी के खिलाफ कई बार ऐसा किया। मुझे खुशी है कि लोगों के पास अब भी ऐसी प्रतिभा का वर्णन करने के लिए शब्द हैं। मेरे पास तो शब्द कम पड़ते जा रहे हैं। यह लड़का बहुत खास है। वह इतनी छोटी उम्र में भी पूरी परिपक्वता दिखाते हैं।'

सबसे कम उम्र में बनाया बड़ा रिकॉर्ड

इस पारी के साथ वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के एक सीजन में 500 रन पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के लिए 20 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यशस्वी जायसवाल ने भी की जमकर तारीफ

राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल ने मैच के बाद टीम के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और बृजेश शर्मा की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। जायसवाल ने कहा, 'हर खिलाड़ी ने मेहनत की और टीम के लिए योगदान दिया। हमें पता था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। पावरप्ले में जोफ्रा की गेंदबाजी शानदार रही। वहीं वैभव और ध्रुव ने बल्लेबाजी से मैच खत्म कर दिया।'

- **'मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए जल्दबाजी नहीं -वैभव सूर्यवंशी -** राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में तहलका मचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद वैभव ने अपनी पारी को लेकर बड़ा बयान दिया और बताया कि उन्होंने शुरुआत में संयम से बल्लेबाजी क्यों की।वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपनी ताकत पर पूरा भरोसा था और वह जानते थे कि वह किसी भी समय लगातार चौके-छक्के लगा सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में जल्दबाजी नहीं की और विकेट पर समय बिताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यही थी कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं। इसलिए मैंने शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं की और मैच को आखिर तक ले जाने की कोशिश की।' युवा बल्लेबाज ने बताया कि गेंदबाजी के दौरान बाहर बैठकर उन्होंने पिच को अच्छी तरह समझ लिया था। उन्हें महसूस हो गया था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए शानदार है, इसलिए उन्होंने शुरुआत में थोड़ा समय लेने का फैसला किया। वैभव ने कहा, 'जब मैं बाहर बैठा था तब मैंने देखा कि विकेट काफी अच्छा है। मैंने सोचा कि शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। अगर मैं ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करूंगा तो दूसरे बल्लेबाज को भी मदद मिलेगी।'

ऋषभ पंत की फिसली जुबा

प्रेजेंटेशन में लखनऊ टीम के लिए बोल गए अपशब्द

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की 13 मैचों में नौवीं हार के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में टीम के लिए अपशब्द बोल गए। आईपीएल2026 में वे प्लेऑफ की दौड़ से बहुत पहले ही बाहर हो चुके हैं। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे है और अब इस सीजन के खत्म होने से पहले उन्हें सिर्फ एक आखिरी मैच की औपचारिकता पूरी करनी है। पंत शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जब उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे अभी हमारी स्थिति कैसी भी हो। हमारी टीम

जैसी है, हमें पता है कि हम जीत सकते हैं। चाहे कुछ भी हो, हम टीम और खिलाड़ी के तौर पर बहुत आत्मविश्वासी हैं। चीजें हमारे हिसाब से नहीं गईं और ये सब जानते हैं, लेकिन इससे ये सच नहीं बदलता कि हम एक (अपशब्द) अच्छी टीम हैं।' एलएसजी की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। खुद पंत का सीज़न बेहद खराब रहा है, जहां उन्होंने 12 पारियों में सात बार 20 या उससे कम रन बनाए। उनके आसपास के बड़े खिलाड़ी, जैसे- निकोलस पूरन भी फॉर्म में नहीं दिखे। यहां तक कि मिचेल मार्श, जिन्होंने हाल ही में शतक लगाया था और मंगलवार को 96 रन बनाए, उनका भी इस आईपीएल में आगाज धीमा रहा था। टीम डायरेक्टर टॉम मूडी ने माना कि ख़ासकर मध्य क्रम का ख़राब प्रदर्शन, टीम के इस औसत प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा, जिसकी वजह से टीम लगातार अंक तालिका के निचले हिस्से में रही। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ बल्लेबाजों ने ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के सामने बुरी तरह दबाव में आ गए। सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाए जबकि जायसवाल ने 23 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। ररके सलामी बल्लेबाजों ने 221 रन के लक्ष्य में से 75 रन सिर्फ 39 गेंदों में ही जोड़ दिए। पंत ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा, 'कभी-कभी मुश्किल हो जाता है। ऐसी सपाट विकेट पर गेंदबाजों के पास बहुत कम गुंजाइश होती है और बहुत ज्यादा सलाह देना काम नहीं करता। कभी-कभी आपको प्लान को आसान रखना पड़ता है, हर गेंद पर ध्यान देना होता है और उसी प्लान को सही तरीके से लागू करने की कोशिश करनी होती है।'

दीपिका-अतानु एशियन गेम्स की भारतीय तीरंदाजी टीम से बाहर

ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार

धीरज-ज्योति सुरेखा टॉप पर रहे

सोनीपत (एजेंसी)। 4 बार की ओलिंपियन दीपिका कुमारी और उनके पति अतनुदास को एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में जगह नहीं मिली। दोनों सोनीपत के साई सेंटर में आयोजित 3 दिनी ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार गए। भारतीय तीरंदाजी संघ ने ट्रायल के बाद जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया। रिकर्व कैटेगरी में दीपिका कुमारी और अतानु चौथे स्थान पर रहे, इसलिए वे एशियन गेम्स टीम से बाहर हो गए। कंपाउंड में अभिषेक वर्मा भी एशियाड का टिकट हासिल नहीं कर सके। तीसरे और आखिरी स्थान के लिए अनुभवी दीपिका कुमारी और युवा ओलिंपियन अंकिता भकत के बीच कांटे की टक्कर हुई। शुरुआती तीन राउंड्स के बाद दोनों 10.75 पॉइंट्स पर बराबरी पर थीं। शूट-ऑफ में अंकिता ने बाजी मारी और एशियन गेम्स टीम का तीसरा व आखिरी बर्थ हासिल किया।

19 साल की कीर्ति शर्मा टॉप पर रहीं, कुमकुम दूसरे नंबर पर रहीं - महिलाओं के रिकर्व सेक्शन में युवाओं ने सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ दिया। 19 साल की तीरंदाज कीर्ति शर्मा ने ट्रायल्स में 13.5 पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं महाराष्ट्र की तीरंदाज कुमकुम मोहोद दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों खिलाड़ियों ने सीधे एशियन गेम्स टीम में जगह पक्की की।

दीपिका लगातार दूसरे एशियाड से बाहर, वर्ल्डकप टीम में जगह

दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में नहीं खेल पाएंगी। वे 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में वे बेटी के जन्म के कारण हिस्सा नहीं ले सकी थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन और कई वर्ल्ड कप मेडल जीतने वाली दीपिका ने 2010 से अब तक तीन एशियन गेम्स खेले हैं, लेकिन वे कभी इंडिविजुअल मेडल नहीं जीत सकी हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2010 ग्वांगझू गेम्स का टीम ब्रॉन्ज मेडल था। चौथे स्थान पर रहने के कारण दीपिका वर्ल्ड कप सर्किट के तीसरे और चौथे स्टेज के लिए भारतीय टीम में बनी रहेंगी। दरअसल, वर्ल्ड कप के लिए 4 तीरंदाज चुने जाते हैं, जबकि एशियन गेम्स में केवल टॉप-3 को मौका मिलता है।

22 साल का इंतजार खत्म, आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग का खिताब

बोर्नमाउथ (इंग्लैंड)(एजेंसी)। आर्सेनल ने आखिरकार 22 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद आर्सेनल आधिकारिक रूप से चैंपियन बन गया। मैनचेस्टर सिटी को खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी, लेकिन वाइटलिटी स्टेडियम में टीम ऐसा करने में नाकाम रही। मैच ड्रॉ होते ही आर्सेनल ने अंक तालिका में चार अंकों की अजेय बढ़त बना ली और ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। आर्सेनल ने इससे पहले आखिरी बार 2004 में प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। इसके बाद क्लब कई बार करीब पहुंचा, लेकिन ट्रॉफी जीतने का सपना अधूरा रह गया। इस बार टीम ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया और आखिरकार इतिहास रच दिया। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला की लगातार खिताब जीतने की उम्मीद भी इसी के साथ खत्म हो गई। पिछले कुछ सालों से इंग्लिश फुटबॉल में दबदबा बनाने वाली सिटी इस बार आर्सेनल को रोक नहीं पाई। आर्सेनल के चैंपियन बनने की खबर सामने आते ही क्लब के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लंदन में एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हो गए और देर रात तक जश्न मनाते रहे।